साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 50 | जौनपुर, सोमवार, 07 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

जम्मू कश्मीर के पुंछ में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू– कश्मीर, एजेंसी। जम्मू– कश्मीर के पुंछ जिले में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया, जबकि जम्मू के पास अखनूर में शनिवार शाम को एक संदिग्ध परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और राष्ट्रीय राइफल्स के संयुक्त तलाशी दल ने झूलास बेहरा गांव में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया, जहां से दो हथगोले और कुछ गोला–बारूद बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बाद में विशेषज्ञों ने नियंत्रित विस्फोट में दोनों हथगोले नष्ट कर दिए, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में जम्मू के बाहरी इलाके अखनूर में घरोटा के पास टाइमर के साथ एक संदिग्ध आईईडी बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते को घटनास्थल पर भेजा गया और विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

भाजपा के डबल इंजन का मतलब महंगाई और भ्रष्टाचार - अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को भाजपा पर कटाक्ष किया। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार का नतीजा केवल महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार है। अरविंद केजरीवाल ने आप की जनता की अदालत में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, हरियाणा और जम्मू–कश्मीर में भाजपा के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार खत्म होने वाली है। डबल इंजन का सिद्धांत पूरे देश में विफल हो गया है। एक इंजन जून में टूट गया था, जब उन्हें सिर्फ 240 सीटें मिलीं थीं। अब दूसरा इंजन हरियाणा, जम्मू–कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में फेल हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को अब यह एहसास हो गया है कि डबल इंजन मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार का पर्याय है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, ष्जैसे–जैसे दिल्ली चुनाव नजदीक आएंगे, वे एक बार फिर डबल इंजन वाली सरकार की मांग करेंगे। लेकिन आपको उनसे पूछना चाहिए कि क्या हरियाणा में डबल इंजन वाली सरकार ने कुछ हासिल किया? उन्होंने 10 साल तक शासन किया, फिर भी मैंने अपने अभियान के दौरान देखा कि लोग भाजपा नेताओं को अपने गांवों में प्रवेश तक नहीं करने देना चाहते हैं। केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश में भाजपा के शासन की आलोचना करते हुए कहा, उत्तर प्रदेश में सात साल से उनकी डबल इंजन वाली सरकार है, फिर भी वे हाल के चुनावों में केवल आधी सीटें ही जीत पाए हैं। मणिपुर उनके शासन में दो साल से जल रहा है। देश इस डबल इंजन प्रणाली से थक चुका है, इससे केवल लूट और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। भाजपा के चुनावी वादों पर सीधा प्रहार करते हुए केजरीवाल ने मतदाताओं से पार्टी के दावों को चुनौती देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, वे आपके घर आएंगे और वादा करेंगे कि वे वही सब करेंगे जो मैंने किया।

उज्ज्वल भविष्य के लिए वैश्विक शांति आवश्यक – मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ और 10 अक्तूबर को लंदन में होने वाले न्यायविदों और लेखकों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर आयोजकों को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने लिखा कि वैश्विक शांति उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने लिखा कि हमारे सामूहिक प्रयासों की सफलता राष्ट्र और समुदायों के बीच एकता और सहयोग पर निर्भर करती है। सम्मेलन के आयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता और अंतरराष्ट्रीय न्यायविद परिषद और अंतरराष्ट्रीय लेखक आयोग के अध्यक्ष आदिश सी अग्रवाल को लिखे पत्र में पीएम मोदी ने लिखा कि वैश्विक शांति उज्ज्वल भविष्य के लिए मौलिक है। उन्होंने लिखा कि हमारे साझा प्रयास एकता पर निर्भर करते हैं। उन्होंने भगवान बुद्ध और महात्मा गांधी से प्रेरणा लेकर शांति के लिए भारत की ऐतिहासिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। पीएम ने लिखा कि मुख्य न्यायाधीश, मंत्री, संसद सदस्यों, बार नेताओं, लेखकों, संपादकों और कानून शिक्षकों की सामूहिक विशेषज्ञता वैश्विक शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों को आकार देने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि नए संघर्ष राष्ट्रों की सामाजिक और आर्थिक स्थिरता को खतरा पहुंचाते हैं। इन चुनौतियों का सामना केवल वैश्विक कार्रवाई और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव के माध्यम से ही प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। पीएम ने कहा कि भारत एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के दर्शन से प्रेरित और वैश्विक शांति, एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए – मुख्यमंत्री शर्मा

राजस्थान, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और किसानों की समृद्धि से ही विकसित एवं समृद्ध राजस्थान का सपना साकार होगा। शर्मा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना की 18वीं किस्त जारी किए जाने से संबंधित कार्यक्रम से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। अधिकारियों के अनुसार इस किस्त के तहत राजस्थान के किसानों को 1546 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने भी किसान कल्याण की दिशा में कई कदम उठाए क्योंकि किसानों की समृद्धि से ही विकसित एवं खुशहाल राजस्थान का सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों को पीएम किसान योजना के तहत छह हजार रुपये के अतिरिक्त मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष दो हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इसी तरह राज्य में गेहूं के 2,275 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य के ऊपर 125 रुपये का बोनस प्रदान करके 2,400 रुपये प्रति क्विंटल पर गेहूं खरीद की गई है।राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़ भी मुख्यमंत्री आवास से इस कार्यक्रम से जुड़े। इसके अनुसार पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत शनिवार को जारी की गई 18वीं किस्त के माध्यम से राजस्थान के 70 लाख 36 हजार 501 किसानों को कुल 1546.6 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं।

स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित होगा महाकुंभ 2025 - सीएम योगी

प्रयागराज, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महाकुंभ–2025 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। सीएम ने महाकुंभ के प्रतीक चिह्न, वेबसाइट और मोबाइल ऐप का लोकार्पण भी किया। इस दौरान उन्होंने साधु–संतों के भी सुझावों को सुना और अफसरों को निर्देश दिया। सीएम ने महाकुंभ से जुड़ी तैयारियों के लिए डेडलाइन तय करते हुए निर्देश दिया कि 10 दिसंबर तक सारे काम पूरे कर लिए जाएं।

4000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में होगा विस्तार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि वर्ष 2019 में कुंभ का सफल आयोजन कर यूपी ने मानक स्थापित किया है, इसलिए इस बार लोगों की अपेक्षाएं हमसे और अधिक है। 2019 में मेला क्षेत्र 3200 हेक्टेयर में फैला था। इस बार 4000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में इसका विस्तार होगा।

स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा का मानक होगा महाकुंभ–2025

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ से जुड़ी तैयारियों के लिए डेडलाइन तय करते हुए निर्देश दिया कि 10 दिसंबर तक सारे काम पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ विश्व को सनातन भारतीय संस्कृति से साक्षात्कार कराने का सुअवसर है। यह स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा का मानक भी होगा। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि महाकुंभ को देखते हुए 7000 से अधिक बसें लगाई जाएंगी। यहां डेढ़ लाख से अधिक शौचालय स्थापित किए जाएंगे। स्वच्छता पर जोर देते हुए सीएम ने निर्देश दिया कि 10 हजार कर्मचारियों की तैनाती कर यहां की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा जाए। दिसंबर के पहले सप्ताह तक तैयार कर लें स्टील ब्रिज सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ में गंगा–यमुना अविरल और निर्मल होंगी। बिजनौर से बलिया तक जीरो डिस्चार्ज होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्टील ब्रिज दिसंबर के पहले सप्ताह तक तैयार कर लें। यह कानपुर, लखनऊ, बाराबंकी और अयोध्या से प्रयागराज तक के आगमन को सुलभ बनाएगा।

मेला क्षेत्र में तीन पुलिस लाइन

मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एयरपोर्ट से मेला क्षेत्र तक वीवीआईपी कॉरिडोर बनाएं, लेकिन विशेष स्नान पर्वों पर कोई वीआईपी मूवमेंट न हो। सुरक्षा के दृष्टिगत मेला क्षेत्र में तीन पुलिस लाइन, तीन महिला थाना और 10 पुलिस चौकी स्थापित करें। सीएम ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर श्रद्धालु की आस्था का सम्मान करते हुए हर किसी से अच्छा व्यवहार रखें। कल्पवासी हों या स्नानार्थी, श्रद्धालु हों या पर्यटक, सबकी सुरक्षा –सुविधा का ध्यान रखा जाए। पुलिस का व्यवहार भी सहयोगात्मक रहना चाहिए। सुरक्षा के दृष्टिगत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का क्राउड मैनेजमेंट, फायर सर्विस, हेल्प डेस्क, पार्किंग, सीसीटीवी पर जोर रहा। उन्होंने कहा कि यहां एंटी ड्रोन सिस्टम भी लगेगा। सिक्योरिटी मॉडल एआई टूल से तैयार किए जाएं।

सीएम मान के हस्तक्षेप के बाद चावल मिल मालिकों ने हड़ताल खत्म कर दी

पंजाब, एजेंसी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को राज्य के चावल मिल मालिकों को आश्वासन दिया कि वह उनके मुद्दों को केंद्र के समक्ष उठाएंगे, जिसके बाद मिल मालिकों ने अपनी हड़ताल समाप्त कर दी। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, चावल मिल मालिकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने पहले ही भारत सरकार के समक्ष जगह की कमी का मुद्दा उठाया है, जिसके बाद केंद्र सरकार दिसंबर, 2024 तक राज्य में 40 लाख टन और मार्च, 2025 तक 90 लाख टन जगह खाली करने पर सहमत हो गई है। चावल मिल मालिक धान के भंडारण के लिए अधिक स्थान बनाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर थे। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि केंद्र ने राज्य से गेहूं और धान के परिवहन के संबंध में लिखित आश्वासन दिया है कि भारतीय खाद्य निगम ने राज्य में 15 लाख टन गेहूं और धान के लिए पहले ही एक योजना प्रस्तुत कर दी है। मान ने कहा कि राज्य सरकार के स्वामित्व वाले और किराए के गोदामों में 48 लाख टन गेहूं का भंडारण किया गया है। एक अन्य मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मिल मालिकों के पास 5,000 टन से अधिक धान भंडारण क्षमता है, उन्हें खरीद लागत के पांच प्रतिशत के बराबर बैंक गारंटी देनी होगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि अब से मिल मालिकों से बैंक गारंटी लेने के बजाय मिल के भूमि रिकॉर्ड के आधार पर विभाग के पक्ष में ग्रहणाधिकार' लिया जाएगा।

भारत का दिल और आत्मा है पूर्वोत्तर - उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर भारत का हृदय और आत्मा है। उपराष्ट्रपति ने मीडिया से पर्यटन और विकास में इस क्षेत्र की संभावनाओं को बढ़ावा देने की अपील की है।नई दिल्ली, एजेंसी। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर सिर्फ एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं है, बल्कि संस्कृतियों, परंपराओं और प्राकृतिक सौंदर्य का जीवंत संगम है, जो भारत का सार दर्शाता है। नई दिल्ली में एक मीडिया सम्मेलन में मुख्य भाषण देते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सरकार की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के परिवर्तनकारी प्रभाव और नेशनल नैरेटिव को आकार देने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड और स्कॉटलैंड को एक साथ रख दें, तो भी वे पूर्वोत्तर के सौंदर्य से पीछे रह जाएंगे। इस क्षेत्र का प्रत्येक राज्य विजिटर्स, पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए स्वर्ग है। उपराष्ट्रपति ने कनेक्टिविटी में सुधार के लिए

की गई महत्वपूर्ण प्रगति पर जोर देते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक बड़ा परिवर्तन बताया। हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी हो गई है। जलमार्गों का बीस गुना विस्तार हुआ है, इससे देशभर में विशाल रुचि और निवेश बढ़ा है। धनखड़ ने बांग्ला, मराठी, पाली और प्राकृत के साथ असमिया को भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं में से शामिल किए जाने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, इस पदनाम का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जो हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता को दर्शाता है। उन्होंने क्षेत्र की समृद्ध आध्यात्मिक और प्राकृतिक विरासत का भी जिक्र किया, जिसमें प्रतिष्ठित कामाख्या मंदिर और विश्व प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं। उपराष्ट्रपति ने पूर्वोत्तर के दिव्य और पारिस्थितिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, आपको आशीर्वाद कहां से मिलता है? कामाख्या। आपको इस तरह का अभयारण्य कहां दिखाई देता है? काजीरंगा। इसके अलावा उन्होंने ने पूर्वोत्तर के लोगों की जीवंत संस्कृति, बेहतरीन भोजन और ऊर्जा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ष्मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि मैंने वहां किस तरह का सांस्कृतिक उत्सव देखा, पूर्वोत्तर भारत का दिल और आत्मा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक्ट ईस्ट नीति देश की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि भारत से आगे जाकर दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के साथ गहरे संबंधों को बढ़ावा देगी। उपराष्ट्रपति ने पूर्वोत्तर से कंबोडिया तक बढ़ती कनेक्टिविटी की ओर इशारा किया, जिससे जल्द ही यात्रा संभव होगी।

एक राज्य के चुनाव परिणाम को दूसरे चुनावों का जनमत संग्रह नहीं कहा जा सकता – नकवी

उत्तर प्रदेश, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि एक राज्य के चुनाव परिणाम को दूसरे चुनावों का जनमत संग्रह नहीं कहा जा सकता। पार्टी के सदस्यता अभियान में भाग लेने यहां पहुंचे नकवी ने कहा, भाजपा ने लगातार तीन लोकसभा और कई विधानसभा चुनावों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हमारे लिए हर चुनाव का नतीजा कुछ सीख देने वाला होता है जिसके साथ हम सफलता पाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ते हैं। हरियाणा और जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनावों के एग्जिट पोल के बारे में पूछे जाने पर किसी राज्य का नाम लिए बिना कहा, ''एक राज्य के चुनाव परिणाम को दूसरे चुनावों का जनमत संग्रह नहीं कहा जा सकता।'' हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को मतदान संपन्न होने के बाद, एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) के नतीजों में यह संभावना जताई गई है कि कांग्रेस पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकती है तथा 10 साल बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता से विदाई हो सकती है। दूसरी तरफ, अधिकतर एग्जिट पोल ने जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव में खंडित जनादेश का अनुमान व्यक्त किया है, हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बढ़त मिलने की संभावना भी जताई गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में हर दो–तीन महीने पर कोई न कोई चुनाव होते रहते हैं, इसलिए एक देश, एक चुनाव एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जो लोकतंत्र को सशक्त करेगा।

एक साथ चुनाव असांविधानिक नहीं - कोविंद

नई दिल्ली, एजेंसी। एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर गठित समिति के अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ

कोविंद ने शनिवार को कहा कि एक साथ चुनाव कराने का विचार संविधान निर्माताओं का था, इसलिए यह असांविधानिक नहीं हो सकता है।

उन्होंने कहा कि कार्यान्वयन समिति, एक देश एक चुनाव को लागू करने के लिए विभिन्न सांविधानिक संशोधनों पर विचार करेगी और उसके बाद संसद अंतिम निर्णय लेगी। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने दिल्ली में लाल बहादुर शास्त्री की स्मृति में आयोजित व्याख्यान देते हुए कहा कि 1967 तक पहले चार लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे, फिर एक साथ चुनाव कराने को असांविधानिक कैसे कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्गों का कहना है कि एक साथ चुनाव कराने का विचार असांविधानिक है, लेकिन यह सच नहीं है, क्योंकि संविधान निर्माताओं का भी यही विचार था। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग सहित कई संस्थाओं ने अतीत में इस अवधारणा का समर्थन किया है।

रामनाथ कोविंद ने कहा कि वास्तव में एक साथ चुनाव कराने से संघवाद को और मजबूती मिलेगी, क्योंकि तीनों स्तर की सरकारें पांच साल तक एक साथ काम करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव एक लोकप्रिय मुहावरा है, जिसकी कुछ लोगों ने गलत व्याख्या की है। यह धारणा बन गई है कि इसके तहत केवल एक ही चुनाव होगा और आगे कोई चुनाव नहीं होगा।

दक्षेस आगे नहीं बढ़ रहा, इसका एक सदस्य सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा – एस. जयशंकर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) 'आगे नहीं बढ़ रहा' है और पिछले कुछ साल में इसकी बैठकें भी नहीं हुई हैं क्योंकि इस क्षेत्रीय समूह का एक सदस्य 'सीमा पार आतंकवाद' को बढ़ावा दे रहा है। विदेश मंत्री ने किसी देश का नाम लिए बगैर ऐसे समय में यह टिप्पणी की है जब वह इस्लामाबाद में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इसी महीने पाकिस्तान की यात्रा पर जाने वाले हैं। वर्ष 2016 के बाद से दक्षेस बहुत प्रभावी नहीं रहा है और काठमांडू में साल 2014 में हुए अंतिम शिखर सम्मेलन के बाद से इसका कोई द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन नहीं हुआ है। जयशंकर ने यहां एक कार्यक्रम में दक्षेस के पुनरुत्थान से संबंधित एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''फिलहाल दक्षेस आगे नहीं बढ़ रहा है।

इसकी कोई बैठक भी नहीं हुई है और इसकी बहुत साधारण सी वजह है कि इसका एक सदस्य दक्षेस के कम से कम एक सदस्य या उससे अधिक के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, ''यदि आप सभी एक साथ बैठ रहे हैं और सहयोग कर रहे हैं और उसी समय इस प्रकार का आतंकवाद जारी है...यह वास्तव में हमारे लिए एक चुनौती है कि आप इसकी अनदेखी करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। दक्षेस एक क्षेत्रीय समूह है।

गोवा में सांप्रदायिक तनाव भड़का रही बीजेपी - राहुल गांधी

गोवा, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी पर जानबूझकर गोवा में सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रयासों को चुनौती दी जाएगी क्योंकि गोवा और पूरे भारत के लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को समझते हैं और एकजुट हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म श्एक्सश पर पोस्ट करते हुए लिखा, श्गोवा का आकर्षण इसकी प्राकृतिक सुंदरता और इसके विविध और सामंजस्यपूर्ण लोगों की गर्मजोशी और आतिथ्य में निहित है।श उन्होंने आगे कहा कि दुर्भाग्य से, भाजपा शासन में इस सद्भाव पर हमला हो रहा है। भाजपा जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दे रही है, जिसमें आरएसएस के एक पूर्व नेता ईसाइयों और संघ से जुड़े संगठनों को भड़काकर मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का आह्वान कर रहे हैं। गांधी ने आरोप लगाते

हुए कहा कि पूरे भारत में, संघ परिवार द्वारा इसी तरह की कार्रवाइयाँ बिना किसी रोक–टोक के जारी हैं, जिन्हें उच्चतम स्तरों से समर्थन मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, श्गोवा में, भाजपा की रणनीति स्पष्ट है, अवैध रूप से हरी भूमि को परिवर्तित करके और पर्यावरण नियमों को दरकिनार करके पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों का दोहन करते हुए लोगों को विभाजित करना – गोवा की प्राकृतिक और सामाजिक विरासत पर हमला। अंत में उन्होंने लिखा, ऐसा नहीं है।

संपादकीय

भाजपा नए अध्यक्ष की तलाश में

प्रकृति शून्यता को नापसंद करती है और शून्यता अनिश्चितता को नापसंद करती है। मई 2024 में भाजपा के 400 के आंकड़े के करीब न पहुंचने या बहुमत न मिलने के बाद, पार्टी अध्यक्ष का पद अधर में लटक गया है। हालांकि उनका कार्यकाल जून में समाप्त हो गया, लेकिन जेपी नड्डा अभी भी पद पर बने हुए हैं, क्योंकि नेतृत्व उनके प्रतिस्थापन पर सहमत नहीं हो पा रहा है। नड्डा न केवल अंतरिम पार्टी प्रमुख हैं, बल्कि केंद्रीय मंत्री भी हैं। अब जबकि टीना फैक्टर उन पर लागू होता दिख रहा है, पार्टी को जनता की धारणा में अनिर्णय की नाजुकता को दूर करने के लिए इस मुद्दे को जल्दी से जल्दी सुलझाना होगा। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी, जिसमें असंख्य सांसद और मुख्यमंत्री हैं, प्रतिभा की कमी से जूझ रही है। सत्ता में सुखद दिनों ने वास्तव में सफल प्रशासकों की एक फौज तैयार की है। जब भाजपा विपक्ष में थी, तो पार्टी प्रमुख के रूप में उनके स्थान पर एक अटल या एक आडवाणी के लिए चार वाजपेयी थे। चूंकि पार्टी के 12वें अध्यक्ष को चुनने की प्रक्रिया चल रही है, इसलिए कई नामों पर स्याही सूखी नहीं है। शिवराज सिंह चौहान एक नेता जिन्होंने 1972 में 13 साल की उम्र में आरएसएस स्वयंसेवक के रूप में अपनी सामाजिक सेवा शुरू की, अब 65 वर्षीय चौहान सबसे आगे दिखाई देते हैं। उनकी उम्र, जाति, विश्वसनीयता, अनुभव और स्वीकार्यता उनके पक्ष में है। तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके चौहान आरएसएस के प्रिय हैं और विपक्ष उनसे सबसे कम नफरत करता है। मध्य प्रदेश में उन्हें प्यार से मामा कहा जाता है, वे लोगों के आदमी हैं और आसानी से सुलभ हैं। उनकी अभिनव कल्याणकारी और विकासात्मक योजनाओं ने भाजपा को राज्य में लगभग अजेय बना दिया। हिंदुत्व उनके शासन का मूल सिद्धांत रहा है। वाजपेयी और आडवाणी दोनों ने उन्हें भविष्य के नेता के रूप में पहचाना और 2005 में उन्हें सीएम और संसदीय बोर्ड का सदस्य बनाया। किसान समृद्धि के लिए उपाय करने वाले चौहान को ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत समर्थन प्राप्त है। लेकिन उनका स्वतंत्र व्यक्तित्व उनके लिए बोझ बन सकता है। देवेंद्र फडणवीस 35 साल तक संघ परिवार से जुड़े रहे, नागपुर के 54 वर्षीय महाराष्ट्र के नेता ने ।ठटच् से राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। 2014 में सत्ता में आने के बाद, प्रतिभाओं को पहचानने वाले मोदी और शाह ने फडणवीस को, जो उस समय 44 साल के ब्राह्मण थे, भारत के सबसे अमीर राज्य का दूसरा सबसे युवा मुख्यमंत्री बना दिया। उनके लिए नितिन गडकरी और गोपीनाथ मुंडे जैसे वरिष्ठ नेताओं को नजरअंदाज कर दिया गया। किसी भी स्थानीय समूह से फडणवीस की दूरी और अपने सर्वोच्च आकाओं से निकटता ने उन्हें सबसे आगे खड़ा कर दिया है। लेकिन उन्होंने कोई बड़ा राष्ट्रीय संगठनात्मक काम नहीं संभाला है और राष्ट्रीय कार्यकर्ताओं से उनका संपर्क बहुत सीमित है। मोदी–शाह के प्रति उनकी वफादारी उन्हें शीर्ष पर पहुँचाने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती। वसुंधरा राजे 71 वर्षीय पूर्व राजघराने के नेता भले ही हार गए हों, लेकिन निश्चित रूप से वे मैदान से बाहर नहीं हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री पद के लिए तीसरी बार दावा करने से हाईकमान द्वारा खारिज किए जाने के बाद, वे वर्तमान में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्षों में से एक हैं। यद्यपि संघ के बड़े पारिस्थितिकी तंत्र के साथ उनका जुड़ाव कम हो गया है, लेकिन आरएसएस नेतृत्व सकारात्मक है, जिसका श्रेय उनकी दिवंगत मां विजया राजे की विरासत को जाता है। वसुंधरा ने केंद्र, राज्य और पार्टी में कई संवेदनशील और महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वे दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। एक शानदार वक्ता होने के साथ–साथ वे राष्ट्रीय स्तर पर जानी–मानी हस्ती हैं। यदि भाजपा अपनी पहली महिला अध्यक्ष की तलाश कर रही है, तो राजे की वरिष्ठता, अनुभव और गंभीरता इसके लिए उपयुक्त है। उनका नुकसान यह है कि उन्होंने कार्यकर्ताओं से सीधे तौर पर जुड़ी कोई राष्ट्रीय जिम्मेदारी नहीं संभाली है। इसके अलावा, उन्होंने मोदी–शाह की जोड़ी से दूरी बनाए रखी है, जो उनके लिए कोई खास लगाव नहीं रखती। धर्मेंद्र प्रधान एबीवीपी की साख वाले एक अन्य पूर्व छात्र नेता, 55 वर्षीय ओडिया के कद्दावर नेता ओडिशा और दिल्ली में संघ और भाजपा की गतिविधियों में एक ताकत रहे हैं। शीर्ष स्तर पर उन्हें संभावित राष्ट्रीय नेता और वैचारिक रूप से भरोसेमंद माना जाता है। राष्ट्रीय महासचिव के रूप में प्रधान ने कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, यूपी और हरियाणा में राज्य चुनावों को संभाला है। अटल–आडवाणी युग के अंत के बाद, मोदी ने उन्हें संगठनात्मक और सरकारी पदों पर बनाए रखा – उनमें से, स्वतंत्रता के बाद से सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले पेट्रोलियम मंत्री के रूप में। संवेदनशील शासन कौशल वाले इस व्यक्ति के पास शासन के लिए बेहतर कौशल हैं, हालांकि उनके विरोधियों का आरोप है कि उनमें राष्ट्रीय कद और अखिल भारतीय स्वीकार्यता की कमी है। भूपेंद्र यादव राजस्थान में जन्मे इस 55 वर्षीय अधिवक्ता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत आरएसएस द्वारा नियंत्रित वकीलों के संगठन के सचिव के रूप में की थी। वे अटल–आडवाणी युग के दौरान एक संभावित राष्ट्रीय नेता के रूप में उभरे थे। उन्हें 2010 में नितिन गडकरी ने भाजपा के राष्ट्रीय सचिव के रूप में चुना था। तब से, गैर–विवादास्पद यादव पर शीर्ष स्तर पर भरोसा किया गया है और उन्हें महत्वपूर्ण पार्टी पद दिए गए हैं। 2014 में शाह के पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद वे उनकी टीम के अहम सदस्य बन गए।

यूपीआईटीएस जैसे आयोजनों से यूपी की बन रही नई पहचान

उमेश

पिछली सदी के अस्सी के दशक में जिस उत्तर प्रदेश को बीमारू कहकर उपहास उड़ाया जाता था, उसी यूपी में यूपीआईटीएस का भव्य आयोजन होना मामूली बात नहीं है। राज्य के तेजी से विकसित हो रहे ग्रेटर नोएडा शहर में 25 से 29 सितंबर तक चले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में देशभर की बड़ी कंपनियों का जुटान यह बताने के लिए काफी है कि राज्य में निवेश और कारोबार को लेकर भरोसा बढ़ रहा है। चार दिनों तक चले यूपीआईटीएस का आयोजन 15 हॉल में किया गया था। वैसे तो अपने आप में सभी हॉल यूपी में आ रहे बदलाव और उसमें कारोबार और निवेश की दुनिया के दिग्गजों की दिलचस्पी की कहानी कह रहे थे। लेकिन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा है, यूपी इन्वेस्ट का हॉल, जिसमें देश के तकरीबन सभी अहम क्षेत्रों की कंपनियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। जिनमें देश की अग्रणी अडानी, अंबानी, रिलायंस, लुलु हाइपर मार्केट, वाइब्स जैसी कंपनियां शामिल रहीं। इस आयोजन में एक पूरा और एक्स्क्लूसिव हॉल इलेक्ट्रॉनिक्स का रहा, जिनमें देश के 100 से अधिक स्टार्टअप्स और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए और लोगों को अपनी तरक्की से प्रभावित किया। साल 2018 में राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने स्थानीय उत्पादों को बाजार और पहचान मुहैया कराने के लिए एक जिला, एक उत्पाद नाम से योजना शुरू की थी। जिसे संक्षेप में ओडीओपी के नाम से जाना जाता है। यूपीआईटीएस के इस आयोजन में ओडीओपी के लिए भी अलग से हॉल तैयार था, जिसमें राज्य के सभी 75 जिलों के 325 उत्पादक अपने स्थानीय विशेष उत्पादों के साथ मौजूद रहे। गौर करने की बात यह है कि इनमें काफी संख्या महिलाओं की रही। इस योजना के जरिए अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचा रहे कुछ दिव्यांग कारोबारी भी इसमें शामिल थे। इस आयोजन में पशुधन विकास, दुग्ध उद्योग, मत्स्य पालन, कृषि उत्पाद और खाद्य संरक्षण की भी कंपनियां शामिल रहीं और अपने उत्पादों को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। इस आयोजन में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र फूड प्रोसेसिंग वाला हॉल रहा, जहां उत्तर प्रदेश के स्थानीय खाद्य उत्पादों और व्यंजनों को बतौर नमूने प्रस्तुत किया गया। लोगों ने उनके स्वाद का भरपूर लुत्फ उठाया और उनकी खरीददारी भी की। इस आयोजन का 14 और 15 नंबर का हॉल निर्यातकों के लिए विशेष तौर पर आरक्षित था। जिसमें उत्तर प्रदेश के करीब सभी निर्यात होने वाले उत्पाद प्रदर्शित किए गए। ये हॉल विदेशी ग्राहकों को सबसे ज्यादा लुभाते दिखे। यहां जमकर खरीददारी भी हुई और ऑर्डर भी मिले। यहां यह भी बताना जरूरी है कि इसे देखने के लिए दुनियाभर से करीब 400 लोगों को आमंत्रित किया गया था। हालांकि कुछ विदेशी ग्राहक ऐसे भी थे, जो खुद यहां पहुंचे। विदेशी ग्राहकों और कंपनियों को यहां राज्य के उत्पादकों और निर्यातको को कारोबारी बैठक के लिए सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। जिसका राज्य को फायदा भी हुआ और करोड़ों रुपए के ऑर्डर भी मिले। ऊर्जा, नवीकरण ऊर्जा, और रक्षा उत्पाद को भी इस हॉल में प्रदर्शित किया गया था। इस आयोजन में शिक्षा से जुड़ी तमाम संस्थाएं जिनमें कुछ बड़े विश्वविद्यालय भी शामिल थे, ने युवाओं को अपनी सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी दी। पांच दिनों तक चले इस आयोजन में पांच सत्रों का आयोजन किया गया, जो ई कॉमर्स ट्रेंड्स और अवसर, नवाचार और स्टार्टअप्स, देश की निर्यात क्षमता, आदि पर आधारित थे। इस आयोजन में रोजाना शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी प्रस्तुत किया गया। पांच दिनों के इस आयोजन में यहां आए लोगों को जौनपुर और लखनऊ के टुंडे कबाब, बलिया का लिट्टी–चोखा, कानपुर की चाट, खुर्जा की खुरचन, आगरा का पंछी पेठा, मथुरा का पेड़ा और बनारस का पान आदि राज्य के खांटी देसज व्यंजनों का स्वाद भी चखने को मिला। इस आयोजन की उपलब्धि ही कही जाएगी कि आयोजन के चौथे दिन उद्यमियों को अमेरिका, फ्रांस और जापानी कंपनियों से 100 करोड़ रुपए से अधिक के ऑर्डर प्राप्त हुए। इस दौरान बिरला एयरकॉन और सोनी के बीच जहां 50 करोड़ का करार हुआ, वहीं मदरसन कंपनी को 25 करोड़ के ऑर्डर मिले। इसी तरह आइसक्रीम की मशहूर कंपनी वडीलाल और जैन शिकंजी को 10–10 करोड़ रुपए के ऑर्डर मिले। पूरे आयोजन में करीब 5 लाख से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। यूपीआईटीएस 2024 का सहयोगी आयोजक वियतनाम रहा। जिसके राजदूत की अगुआई में एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान वियतनाम ने राज्य में खाद्य प्रसंस्करण एवं आईटी के क्षेत्र में निवेश को लेकर उत्सुकता जाहिर की। इस मौके पर पिछले साल यानी 2023 के आयोजन की याद आना स्वाभाविक है। तब आयोजन के पहले दिन यानी 21 सितंबर को अपेक्षाकृत कम भीड़ देखने को मिली थी, हालांकि बाद के हर दिन को लोगों के आने का सिलसिला बढ़ता ही गया। दूसरे दिन 48 हजार लोग मेले में पहुंचे थे। वहीं तीसरे दिन मेले में आने वालों की संख्या बढ़कर 70 हजार पहुंच गई। चौथे दिन 88 हजार से अधिक जबकि पांचवें और अंतिम दिन संख्या 90 हजार के पार पहुंच गई। बहरहाल यूपीआईटीएस के बीते आयोजन में राज्य के हस्तशिल्प उद्योग को नई उड़ान मिली है। इस दौरान राज्य के हस्तशिल्प उत्पादों की जबरदस्त खरीदारी हुई। इस आयोजन के दौरान 75 हजार कारोबारी निर्यात के ऑर्डर भी मिले। इससे ऐसा लगता है कि राज्य के लघु उद्योगों को नई पहचान मिल रही है। इस बार का आयोजन पिछली बार की तुलना में एक कदम आगे रहा है। कभी उत्तर प्रदेश को भदेस और उसके उत्पादों को उपहास की नजर से देखा जाता था। लेकिन यूपीआईटीएस जैसे आयोजनों के चलते उत्तर प्रदेश की पहचान भदेस से निकल रही है और राज्य नए सिरे से ना सिर्फ अपनी पहचान हासिल करता दिख रहा है, बल्कि राज्य के हस्तशिल्प और दूसरे उत्पादों को वैश्विक बाजार मिलता दिख रहा है।

पेरिस शहर की एक यादगार यात्रा

आदित्य

पेरिस में कई ऐतिहासिक स्थल हैं, जिनमें से प्रत्येक शहर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ताने–बाने, कलात्मक समृद्धि, फ्रांसीसी सैन्य इतिहास, विधायी प्रक्रिया, स्थापत्य सौंदर्य और विविध विरासत जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं में योगदान देता है। उदाहरण के लिए, आर्क डी ट्रायम्फ, लौवर संग्रहालय, लक्जमबर्ग गार्डन, बैलून और ओलंपिक लौ के साथ आर्क डी ट्रायम्फ प्रतिकृति, नोट्रे–डेम चर्च, सिटी हॉल, सीनेट बिल्डिंग आदि हैं। हम राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक, आर्क डी ट्रायम्फ को देखने के लिए रोमांचित थे, जो पेरिस में सबसे प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित स्मारकों में से एक है, जो चौंप्स–एलिसीस एवेन्यू के पास प्लेस चार्ल्स डी गॉल के केंद्र में गर्व से खड़ा है, जिसे नेपोलियन ने फ्रांसीसी सेना की जीत का सम्मान करने के लिए कमीशन किया था। दुनिया के सबसे मशहूर एवेन्यू में से एक यह अपने भव्य थिएटर, लग्जरी शॉप, कैफे, राष्ट्रीय समारोहों के लिए केंद्रीय मंच और वार्षिक बैस्टिल डे मिलिट्री परेड सहित प्रमुख परेड के लिए जाना जाता है। 50 मीटर ऊंची यह संरचना अपनी छत से पेरिस के मनोरम दृश्य प्रस्तुत करती है। इसके तल पर श्अज्ञात सैनिक का मकबराश है, जिसमें एक अनन्त ज्वाला है, जिसे हर शाम फिर से प्रज्वलित किया जाता है, जो प्रथम विश्व युद्ध में मारे गए लोगों के लिए एक भावनात्मक श्रद्धांजलि है। जब हम सीन नदी के किनारे स्थित एक पूर्व मध्यकालीन किले से शाही महल में तब्दील दुनिया के सबसे बड़े और सबसे अधिक देखे जाने वाले कला लौवर संग्रहालय में पहुँचे, तो यह बहुत ही शानदार था। इसमें मोना लिसा और वीनस डी मिलोश सहित 38,000 से अधिक कलाकृतियाँ हैं। विशाल परिसर में आधुनिक डिजाइन के साथ शास्त्रीय फ्रेंच पुनर्जागरण वास्तुकला का संयोजन है। संग्रहालय का प्रतिष्ठित ग्लास पिरामिड प्रवेश द्वार ऐतिहासिक वास्तुकला के विपरीत है, जो परंपरा और आधुनिकता के मिश्रण का प्रतीक है। लौवर संग्रहालय का बाहरी हिस्सा एक पुराना और अधिक संलग्न प्रांगण है, जो प्रसिद्ध फ्रांसीसी राजाओं, दार्शनिकों और कलाकारों की मूर्तियों और शिल्पकला की एक समृद्ध श्रृंखला से सुसज्जित है, जो फ्रांस की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को उजागर करता है, जो एक पूर्व शाही महल के रूप में इसके भव्य इतिहास और दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित कला संग्रहालयों में से एक के रूप में इसकी वर्तमान स्थिति को दर्शाता है। ये मूर्तियाँ कुरसी, आलों और बालस्ट्रेड पर रखी गई हैं, जो लंबे अग्रभाग के साथ भव्यता और निरंतरता की भावना पैदा करती हैं। हाल ही में पेरिस ने 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के हिस्से के रूप में श्आर्क डी ट्रायम्फे की प्रतिकृतिश के साथ श्बड़े गुब्बारेश और श्ओलंपिक लौश की विशेषता वाली एक अस्थायी कला स्थापना का अनावरण किया। एफिल टॉवर के पास स्थित एक अन्य संग्रहालय श्म्यूसी डू क्वाई ब्रैनली–जैक्स शिराकश है जो समकालीन वास्तुकला का एक शानदार उदाहरण है, और केवल दो दशक पुराना है। इमारत खुद जमीन से ऊपर तैरती हुई दिखाई देती है, जिसे स्टिल्ट्स द्वारा सहारा दिया गया है, और यह हरे–भरे, भू–दृश्य वाले बगीचों से घिरी हुई है जो पेरिस के दिल में एक शांत नखलिस्तान बनाती है। यह संग्रहालय गैर–यूरोपीय कला और संस्कृतियों को समर्पित है, जिसमें अफ्रीका, एशिया, ओशिनिया और अमेरिका की कलाकृतियों का एक व्यापक संग्रह है। संग्रहालय के संग्रह में 300,000 से अधिक कलाकृतियाँ शामिल हैं, जिनमें मुखौटे, वस्त्र और मूर्तियाँ से लेकर संगीत वाद्ययंत्र और अनुष्ठान की वस्तुएँ शामिल हैं। म्यूसी डी ऑर्से पेरिस के सबसे प्रिय संग्रहालयों में से एक है। संग्रहालय अपनी ऊपरी

मंजिलों से सीन नदी और लौवर के शानदार दृश्य प्रस्तुत करता है। वास्तव में, यह इमारत कभी एक रेलवे स्टेशन थी, जिसे श्गारे डीश्ऑर्सेश के नाम से जाना जाता था और इसे पेरिस में आयोजित विश्व मेले के लिए बनाया गया था। स्टेशन के डिजाइन को उस समय के लिए आधुनिक इंजीनियरिंग का चमत्कार माना जाता था, जिसमें उस युग की इलेक्ट्रिक ट्रेनों को समायोजित करने के लिए उन्नत तकनीक थी। भव्य केंद्रीय हॉल, जहाँ कभी ट्रेनें आती और जाती थीं, अब संग्रहालय का दिल बन गया है। 'एशियाई कला संग्रहालय' एशिया के बाहर एशियाई कला को समर्पित सबसे बड़े संग्रहालयों में से एक है। इसमें चीनी, जापानी, कोरियाई, भारतीय और दक्षिण–पूर्व एशियाई कला सहित विभिन्न एशियाई संस्कृतियों की कलाकृतियों का एक विशाल संग्रह है। 'वास्तुकला और नृविज्ञान संग्रहालय' मूल रूप से नृविज्ञान और मानव विकास पर केंद्रित था, लेकिन बाद में मानव संस्कृतियों और समाजों पर केंद्रित हो गया। सैन्य संग्रहालय दुनिया के सबसे बड़े सैन्य संग्रहालयों में से एक है, जो ऐतिहासिक होटल डेस इनवैलिड्स में स्थित है। यह मध्य युग से लेकर वर्तमान तक के फ्रांसीसी सैन्य इतिहास को प्रदर्शित करता है, जिसमें कवच, हथियार और वर्दी शामिल हैं। संग्रहालय नेपोलियन बोनापार्ट की कब्र के लिए भी उल्लेखनीय है। पेरिस में देखने के लिए एक और दिलचस्प जगह 'नोट्रे–डेम कैथेड्रल' है जो दुनिया के सबसे प्रसिद्ध गोथिक चर्चों में से एक है। यह अपनी आश्चर्य जनक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें इसकी गुलाब की खिड़कियाँ, उड़ती प्राचीर और आभूषण शामिल हैं। कैथेड्रल में पाँच साल पहले भीषण आग लगी थी। मूल रूप से चर्च के रूप में बनाया गया पैंथियन अब वोल्टेयर, रूसो और विक्टर ह्यूगो सहित उल्लेखनीय फ्रांसीसी हस्तियों के मकबरे के रूप में कार्य करता है। इसकी नव शास्त्रीय वास्तुकला और गुंबद पेरिस की प्रतिष्ठित विशेषताएं हैं। सेंट–सुलपिस पेरिस के सबसे बड़े चर्चों में से एक है और इसमें डेलाक्रोइक्स के भित्ति चित्र और एक भव्य ऑर्गन जैसी उल्लेखनीय कृतियाँ हैं।

हिंदू पुजारियों द्वारा ऑनलाइन पिंडदान करने की पेशकश

विनोद

हिंदू अनुष्ठानों में पिंडदान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह सांसारिक प्रथा पूर्वजों के लिए शांति सुनिश्चित करती है। गया, वाराणसी और हरिद्वार जैसे कुछ विशेष पवित्र स्थान हैं जहाँ नदी के किनारे पिंडदान किया जा सकता है। लाखों लोग, मुख्य रूप से पुरुष, पिंडदान के लिए गया आते हैं। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों से, कुछ पुजारी उन लोगों के लिए ऑनलाइन पिंडदान कर रहे हैं, जिन्हें पवित्र स्थान पर शारीरिक रूप से उपस्थित होना मुश्किल लगता है। प्राचीन विश्वास और अभ्यास के क्षेत्र में आधुनिकता के इस नाटकीय प्रवेश ने स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म दिया है। कई पुजारियों को लगता है कि ऑनलाइन अनुष्ठान शास्त्र के विरुद्ध हैं। अधिकांश पंडे इसके सख्त खिलाफ हैं, जाहिर तौर पर क्योंकि यह पारंपरिक नहीं है, लेकिन उनका विरोध आश्चर्यजनक नहीं है। पिंडदान के डिजिटल होने से, वे शहर पर अपना नियंत्रण खो देंगे और अपने संरक्षकों पर अपनी शक्ति खो देंगे, जो दिशा–निर्देशों, कभी–कभी यात्रा और आवास के लिए और अनुष्ठान के लिए पुजारियों के पास ले जाने के लिए पूरी तरह से उन पर निर्भर हैं। पिता या दादा की मृत्यु के बाद अक्सर पूर्वजों की शांति के लिए प्रार्थना करने से आगंतुकों के लिए सेवाओं का एक आकर्षक नेटवर्क बनता है। हो सकता है कि शास्त्रों के समय डिजिटलीकरण न हुआ हो, इसलिए ऋषियों ने ऑनलाइन अनुष्ठानों की संभावना पर क्या प्रतिक्रिया दी होगी, यह एक विवादास्पद मुद्दा है। दूरस्थ पिंडदान बिल्कुल दूरस्थ शिक्षा की तरह नहीं है। इसके इर्द–गिर्द बहस आसानी से सुलझने की संभावना नहीं है। दूरस्थ शिक्षा को भी अंतिम उपाय माना जाता है। मूल प्रश्न यह है कि क्या ऑनलाइन दिखाई देने वाले जल से पूर्वजों की प्यास बुझ सकती है? (क्या इसका मतलब यह है कि उनकी आत्मा पवित्र स्थान से सुलभ है, लेकिन जहां प्रार्थना करने वाला वंशज स्थित है, वहां से नहीं?) या, उदाहरण के लिए, क्या किसी तीर्थ स्थल की यात्रा को ऑनलाइन देखना किसी व्यक्ति को वही आशीर्वाद दे सकता है

जो उस व्यक्ति को मिलता है जिसने वहां जाने के लिए खून, पसीना और आंसू बहाए हैं? एक पवित्र स्थान बिल्कुल वैसा ही माना जाता है, पवित्रता का स्थान। ऑनलाइन संरक्षक का मार्गदर्शन करने वाले पुजारी को भुगतान करने के बाद मीलों दूर अनुष्ठान करना उस स्थान को समीकरण से घटा देता है। अपने पूर्वजों की शांति की कामना करने वाले व्यक्ति के लिए मुद्दा आस्था का है। अगर आस्था यह तय करती है कि अगर कोई अनुष्ठान उस स्थान पर न किया जाए तो वह बेकार है, तो किसी यात्रा से कम कुछ नहीं चलेगा। या किसी रिश्तेदार या दोस्त को सही जगह पर अनुष्ठान करने के लिए अधिकृत किया जाना चाहिए। लेकिन ऑनलाइन पिंडदान से श्रद्धालु दुनिया के किसी भी कोने में जाकर खुद ही अनुष्ठान कर सकते हैं, बिना गया आए।

ऐसा मुकदमा जिसने भारत की आजादी को गति दी

ललित

इंद्रधनुष सीधे क्यों नहीं बल्कि घुमावदार होते हैं? क्या वे ष्खड़े होकर प्रतीक्षा करने वालों की भी सेवा करते हैं? बेशक ऐसे प्राणी हैं जो आपको बता सकते हैं कि क्यों... कोई भौतिकशास्त्री या आकाश में कोई देवदूत हम जीते हैं, हम सीखते हैं, लेकिन केवल इतना ही जानते हैं चेतना पकड़ती है लेकिन केवल छू सकती है वे रहस्य जो दिमाग ने हमारे भले के लिए सुलझाए हैं लेकिन दंभ को कभी यह घोषित नहीं करना चाहिए कि ष्हमने समझ लिया हैष्! कलेक्टेड वर्क्स से, काली फुल्वर की मेरी पुस्तक जॉयस डॉग की दूसरी अस्वीकृति आती है – जेम्स जॉयस के ट्राइस्टे– गोद लिए गए पालतू जानवर के जीवन की कहानियों का एक संयोजन जिसने जॉयस की पत्नी नोरा के साथ दोस्ती से ज़्यादा कुछ किया जबकि जॉयस युवा महिला विद्यार्थियों के साथ व्यभिचार कर रहा था। मेरी पुस्तक यूलिसिस से बड़े पैमाने पर उद्धरण देती है ताकि यह साबित हो सके कि कुत्ता ही वह उत्प्रेरक था जिसने जॉयस को साहित्यिक क्लासिक लिखने के लिए प्रेरित किया। कुत्ता, ष्आर्गोसष् शुरू में बौद्ध था और ट्रॉट्स्की के हत्यारे को काटने से लेकर राज मेजर का पालतू बनने तक कई अवतारों से गुजरा... आदि। इसे तब पढ़ें जब यह प्रकाशित हो, जिसके बारे में मुझे पूरा भरोसा है कि यह प्रकाशित होगा। आखिरकार जॉयस को खुद 13 प्रकाशकों ने अस्वीकार कर दिया था, जिन्हें उन्होंने अपनी पहली पुस्तक स्टीफन हीरो भेजी थी। यहां तक कि जे.के. राउलिंग की पहली हैरी पॉटर को भी पहले कई बार अस्वीकार किया गया था.. . इसलिए, निल डेस्परेंडम! अब मैं फिक्शन लिखना बंद करके बेस्ट–सेलर की ओर जाना चाहता हूं, जो मुझे लगता है कि पाक कला की किताबें हैं। मैंने जो एक समीक्षा पढ़ी थी, वह ष्रोड–किलष् का उपयोग करके व्यंजनों के बारे में थी – पक्षी, गिलहरी, ऊद बिलाव, आदि, जो यातायात द्वारा कुचल दिए जाते हैं और सड़क से बचाए जाते हैं। स्वादिष्ट? बहुत सारी विशेषज्ञ कुकबुक के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए, मुझे खुद को अजीब बनाना पड़ा और विभिन्न पारसी व्यंजनों की एक किताब गढ़नी पड़ी। अब तक, मैंने क्लियोपेट्रा–नी–माची नामक एक मिस्र–प्रभावित मछली पकवान का आविष्कार किया है। फिर एक मिठाई है जिसका नाम है लगन –नू –लास्ट –स्टैंड– कस्टर्ड, जिसके साथ मार्माइट की नफरत–से–प्यार वाली लस्सी! और चौथा, बर्बाद– नहीं– चाहने– के– सिद्धांत पर, पिछली रात के बचे हुए खाने पर तला हुआ अंडा जिसे लेफ्टओवर– पूर ईडा कहा जाता है, या इसे इसका उचित लैटिन नाम दे। ओवुम्बई– सुपरजी– बेचेलस– भोनूस! मेरे एजेंट का कहना है कि एक कुकबुक कम से कम सौ पेज लंबी होनी चाहिए। इसलिए अभी तक नहीं पढ़ी। लिखना बंद करो, पढ़ना शुरू करो, मुझे लगता है। मैंने जो सबसे दिलचस्प किताबें मंगवाई हैं, उनमें से एक, जो पश्चिम और भारत में प्रकाशित होने वाली है, उसका नाम है द ट्रायल दैट शुक ब्रिटेनरू हाउ ए कोर्ट मार्शल हेस्टेन्ड एक्सेप्टेंस ऑफ इंडियन इंडिपेंडेंस। यह पत्रकार और प्रशंसित लेखक और क्रिकेट कमेंटेटर आशीष रे द्वारा लिखी गई है, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते हैं। पुस्तक में व्यापक शोध किया गया है और इसमें शाह नवाज खान, प्रेम सहगल और गुरबख्श ढिल्लों के मुकदमे की चर्चा की गई है, जो भारतीय सेना के तीन अधिकारी थे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नेताजी की भारतीय राष्ट्रीय सेना में शामिल हुए थे और INA और जापानियों की हार के बाद, संभवतः देशद्रोह के लिए कोर्ट मार्शल किए गए थे। मुकदमे का संचालन और कार्यवाही पुस्तक का केंद्र बिंदु नहीं है। भारत में इस पर प्रतिक्रिया और इससे होने वाली घबराहट और पुनर्मूल्यांकन को लॉर्ड वेवेल, वायसराय और भारतीय सेना के कमांडर–इन–चीफ फील्ड मार्शल क्लाउड औचिनलेक ने ब्रिटेन में क्लेमेंट एटली सरकार पर दबाव डालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ताकि लेबर पार्टी द्वारा ब्रिटेन की युद्ध–पश्चात सरकार बनते ही भारत को स्वतंत्रता प्रदान की जा सके। रे ने तर्क दिया कि भारत में इन ब्रिटिश अधिकारियों और कमांडरों ने महसूस किया कि कांग्रेस और अन्य कट्टरपंथी संगठनों ने तीन अधिकारियों के कोर्ट मार्शल को अन्यायपूर्ण, स्वतंत्रता के लिए संभावित शहादत के रूप में इस्तेमाल करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन को संगठित किया था। जनमत में आए बदलाव और उसके बाद हुए आंदोलनों ने भारत को शासन के लिए अयोग्य बना दिया था। आधुनिक भारतीय इतिहास का यह महत्वपूर्ण और ठोस प्रमाण यह साबित करता है कि इसने भारत के उपनिवेशवाद से मुक्ति में योगदान दिया। मेरे पिता उस समय भारतीय सेना में थे, द्वितीय विश्व युद्ध में अंडमान और बर्मा में लड़े थे और, हालांकि उन्हें ष्प। से कोई सहानुभूति नहीं थी, वे एक राष्ट्रवादी थे, प्रेम सहगल को जानते थे और उनका समर्थन करते थे। मेरे माता–पिता के कॉलेज के दोस्तों में से एक खुर्शीद खासी मामा थे, जिन्होंने मेरे पिता के साथ ही सेना में भर्ती हुए, बर्मा में लड़े, जापानियों द्वारा पकड़े गए और ष्प। में शामिल होने के लिए युद्धबंदी के रूप में पक्ष बदल लिया। ब्रिटिश– भारतीय सेनाओं के खिलाफ एक बाद की लड़ाई में वे मारे गए और उनकी पत्नी को बताया गया कि वे देशद्रोही थे और युद्ध में मारे गए थे। मेरे माता–पिता ने उनकी मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। 1955 में मेरे पिता कानपुर में तैनात थे। मैं 11 साल का था और एक दोपहर हमारे राज–वास्तुशिल्प वाले छावनी बंगले के बगीचे में खेल रहा था, जब दो भगवाधारी भिक्षु – एक बूढ़ा, एक जवान – हमारे गेट पर आए। उन्होंने मुझे आवाज लगाई और मेरे पिता से मिलने के लिए कहा, जो मैंने कहा कि काम पर हैं। और मेरी माँ? मैंने कहा कि मैं उन्हें फोन करूँगा। मेरी माँ गेट पर आई और पूरी तरह से सदमे और अविश्वास में उसका जबड़ा खुला रह गया। हाँ, बूढ़े भिक्षु ने कहा। ष्खासी। मरा नहीं है। भिक्षु लॉन पर बैठ गए और घर में प्रवेश करने से इनकार कर दिया। मेरे पिता वापस लौटे और मेरी माँ की तरह ही सदमे में थे।

आदर्श शिक्षक बनने हेतु अनुशासन एक महत्वपूर्ण कुंजी है - पुष्पलता सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रजत ग्रुप आफ कॉलेजेज लखनऊ में B.Ed एवं M.Ed बैच 2024 –2026 का ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज लखनऊ की तीनों शाखाओं यथा 1.रजत पीजी कॉलेज कामता लखनऊ 2.रजत कॉलेज आफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट लखनऊ 3.रजत वूमेन्स कॉलेज ऑफ एजूकेशन एंड मैनेजमेंट लखनऊ के छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के शिक्षाशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रोफेसर डॉक्टर दिनेश कुमार एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर किरण लता डंगवाल उपस्थित रहीं।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर दिनेश कुमार ने छात्र–छात्राओं को वॉच शब्द को शिक्षा एवं व्यक्तित्व से जोड़कर व्यक्तित्व निर्माण पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि डॉक्टर किरनलता डंगवाल ने 3M के सिद्धांत को जीवन से जोड़ते हुए व्यक्तित्व निर्माण एवं अच्छे शिक्षक बनने पर जोर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ ।संस्था के प्रबंधक डॉक्टर आर जे सिंह एवं डायरेक्टर श्रीमती पुष्पलता सिंह ने मुख्य अतिथि एवम विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह, पुष्प गुच्छ एवं शाल देकर स्वागत और अभिनंदन किया गया। संस्था के प्रबंधक डॉक्टर आर जे सिंह ने छात्र–छात्राओं को जीवन में सफलता प्राप्त करने हेतु आशीर्वाद प्रदान किया । डायरेक्टर श्रीमती पुष्पलता सिंह ने छात्र–छात्राओं को जीवन में अनुशासन के महत्व को बताते हुए कहा कि जीवन में सफल होने एवं एक आदर्श शिक्षक बनने हेतु अनुशासन एक महत्वपूर्ण कुंजी है।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अरिमर्दन सिंह ने किया। कार्यक्रम में सभी तीनों ब्रांच के प्राचार्य एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे। सभी ने छात्र–छात्राओं को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था व सीसीटीवी कैमरे की नजर सम्पन्न होगी दुर्गा पूजा, रामलीला व मूर्ति विसर्जन – सीओ सिटी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था व सीसीटीवी कैमरे की नजर में दुर्गा पूजा, रामलीला,दशहरा,विसर्जन कार्यक्रम सम्पन्न होगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि इसके लिए पर्याप्त संख्या में एक कंपनी आरएएफ,चार कंपनी पीएसी के अलावा अत्याधुनिक हथियारों से लैस महिला व पुरुष पुलिस कर्मी दुर्गा पूजा के पंडालों, रामलीला मंचन के आसपास, प्रमुख चौराहों, सड़कों यहां तक कि गलियों में भ्रमणशील रहेंगे। उन्होंने बताया कि इनके अलावा सभी जगहों पर खूफिया एजेंसी के कर्मी सक्रिय रहेंगे ।जिनकी पैनी नजर आसपास के गतिविधियों पर रहेगी ।उन्होंने बताया कि शहर में सप्तमी,अष्टमी,नवमी व विसर्जन के दिन दुर्गा पूजा को देखने के लिए अधिक संख्या मे लोगो की भीड़ होती है ।क्योंकि इन दिनों में शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रो से भी भारी संख्या में महिला पुलिस व बच्चे रामलीला, दुर्गा पूजा व विसर्जन यात्रा में शामिल होने आते हैं ।जिसको नियंत्रण करने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रहेगी ।इसके अलावा खूफिया विभाग के कर्मी तैनात रहेंगे ।उन्होंने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए शहर में गालियों में भी बैरियर लगाया जायेगा। इस दौरान सप्तमी, अष्टमी, नवमी के दिन वाहनों का प्रवेश नही प्रतिबंधित रहेगा और रूट डायवर्सन रहेगा। अराजक तत्वों पर नियंत्रण पाने के लिए अलग–अलग स्थानों पर पुलिस बल का तैनात रहेंगे ।मेले में सर्विलांस टीम व स्वाट टीम के जरिए बनी रहेगी।

भारतीय ज्ञान आज भी सम्पूर्ण विश्व के लिए प्रासंगिक - प्रो. आर.पी.पाठक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। तिलकधारी महाविद्यालय में शिक्षक शिक्षा विभाग के तत्वाधान में ‘भारतीय ज्ञान परंपरा और विकसित भारत 2047 शीर्षक पर आयोजित एक दिवसीय शैक्षिक संगोष्ठी के मुख्य अतिथि तथा मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर आर. पी. पाठक (डीन शिक्षा संकाय) लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली रहे । वी. ब.सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षा संकाय डीन प्रोफेसर अजय कुमार दुबे ने अपने उदबोधन में बताया कि प्रो० पाठक एक उच्च चिंतक, लेखक हैं। आपने अब तक राष्ट्रीय स्तर के लगभग 120 पुस्तकों का लेखन एवं संपादन किया है और लगभग दो दर्जन पुस्तक अभी भी प्रकाशनार्थ प्रेस में है । आप भारत सरकार के विभिन्न समितियों के सम्मानित सदस्य होने के साथ साथ आप वर्तमान भारतीय परिवेश में परंपरागत भारतीय शिक्षा मूल्य के उल्लेखनीय विचारक के रूप में स्थापित है। अपने व्याख्यान में प्रोफेसर आर. पी.पाठक ने भारतीय वांग्मय में निहित ज्ञान परंपरा को विस्तार पूर्वक रेखांकित किया, आपने बताया किस प्रकार से हमारे वैदिक कालीन शिक्षा व्यवस्था में श्रवण,मनन और निर्देशन के द्वारा सशक्त ज्ञान परंपरा जीवंत रूप से संचालित होती रही। भारतीय ज्ञान परंपरा में शास्त्रार्थ, वेदांग, उपनिषद, आरण्यक, ब्राह्मण, श्रुति, स्मृति, पुराण, काव्य, महाकाव्य,

षड्दर्शन की प्रभावशाली एवं सशक्त ज्ञान परंपरा निरंतर प्रवाह में रही है। ज्ञान सिर्फ मानसिक विकास तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि आचार–विचार एवं व्यवहार में थी। आधुनिक चिकित्सा, विज्ञान, साहित्य में भारतीय परंपरा में निहित मूल्य एवं ज्ञान को सम्मिलित कर भारत किस प्रकार एक विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व का नेतृत्व कर सकता है इसको आपने बड़े सहज ढंग से रेखांकित किया। प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान आज भी पूरे विश्व मे प्रासंगिक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्राचार्य प्रो० समर बहादुर सिंह ने कहा कि भारतीय चिंतन–दर्शन एक जीवन पद्धति है, जो आधुनिक जीवन में अत्यंत प्रासंगिक है। भारतीय परंपरा में निहित संस्कृति, धर्म और आचरण आधुनिक शिक्षा के आधारभूत स्तंभ हैं। जिनका अनुसरण कर भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बन सकता है। विभागाध्यक्ष प्रो० सुधान्शु सिन्हा ने कहा कि भारतीय परंपरा में प्रकृति में उपस्थित सभी जीव कुछ न कुछ हमको शिक्षा प्रदान करते हैं। दत्तात्रेय ने कुल 24 गुरुओं का उल्लेख किया है। मुख्य अनुशास्ता प्रोफेसर रीता सिंह ने विविध उद्धरणों द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। प्रो.श्रद्धा सिंह ,डॉ अरविंद कुमार सिंह , डॉ प्रशांत कुमार सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये अतिथियों का आभार डॉ सीमांत कुमार राय एवं संचालन डॉ वैभव सिंह ने किया ।

कार्यक्रम में शिक्षक– शिक्षा संकाय के डॉ० वन्दना शुक्ला, डॉ० गीता सिंह ,डॉ० सुलेखा सिंह ने द्वितीय सत्र का संचालन किया। इस अवसर पर शोध छात्र, बी०एड० एवं एम०एड० के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

एआरटीओ प्रवर्तन व यातायात निरीक्षक ने किया 84 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई

अयोध्या। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा दिवस के तहत एआरटीओ प्रवर्तन प्रवीण सिंह सड़कों पर आरटीओ व यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई किया ।सोमवार को उन्होंने बिना हेल्मेट, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए,रॉग साइड ड्राइविंग एवं अनाधिकृत रूप से संचालित बसों के विरूद्ध चेकिंग अभियान चलाया ।अभियान के तहत 58 बिना हेलमेट,बिना सीटबेल्ट के 26 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई किया ।साथ ही जो वाहन चालक हेलमेट लगाकर चलाते हुए पाये गये तो उन्हें पुष्प देकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर एआरटीओ (प्रवर्तन) प्रवीण सिंह ने वाहन चालकों से अपील किया कि आप सभी वाहन चालक वाहन चलाते समय हेलमेट को वाहन में न लटका कर जबकि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 129 (बी) के तहत चालक और पीछे बैठे सवार दोनों को पट्टा लगा हुआ हेलमेट पहनना चाहिए। दुर्घटना की स्थिति में वाहन चालक व पीछे बैठे सवार दोनो को सिर और मस्तिष्क की चोट से बचाता है।दो पहिया वाहन चलाते समय वाहन चालक व सवार को मानक वाले हेलमेट का ही प्रयोग करना चाहिए। यातायात निरीक्षक विवके कुमार मौर्या ने बताया कि रॉन्ग साइड पर ड्राइविंग से भारत में कई दुर्घटनाएं होती हैं। ऐसे कई लोग हैं जो कुछ मिनट या कुछ सेकंड बचाने के लिए रॉन्ग साइड ले लेते हैं। रॉन्ग साइड पर गाड़ी चलाने से सड़क पर बहुत भीड़ भी हो जाती है क्योंकि इससे ट्रैफिक की आवाजाही बाधित होती है जिससे सड़क सड़क हादसों की सम्भावना अधिक बढ़ जाती है। रॉंग साइड पर वाहन चलाने पर 500 से 1000 रुपये तक का जुर्माना या दंड लगता है। भारत में गलत साइड पर वाहन चलाने पर 3 महीने तक की कैद या रॉंग साइड ड्राइविंग के कारण कोई दुर्घटना होती है, तो आरोपी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (2) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा ।इस धारा के तहत कम से कम 10 साल की जेल की सजा का प्रावधान है ।अभियान के दौरान यातायात उप निरीक्षक ज्ञान प्रकाश, हमराही जामिल अख्तर, परमेश्वर यादव, विजय प्रताप, रामदेव यादव, ओमकार शामिल रहे।

असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने रामलला व हनुमान गढ़ी जाकर किया दर्शन–पूजन

अयोध्या। रविवार को असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य रामनगरी पहुंचकर रामलला व हनुमान गढ़ी जाकर दर्शन पूजन किया ।इससे पहले वे सर्किट हाउस आये ।जहां पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया ।रामलला व हनुमान गढ़ी का दर्शन पूजन करने के बाद उन्होंने कहा कि हमारे शरीर के रोम रोम में राम बसे हैं ।जन जन के आराध्य प्रभु श्री राम का दर्शन करने का सौभाग्य मिला ।हनुमान जी का दर्शन पूजन करने के पश्चात उन्होंने बजरंग बली से देशवासियों व असम राज्य की जनता को सुख शांति और समृद्धि देने के प्रार्थना किया। उन्होंने कहा कि आज हमारा भारत देश श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना पर भारत सरकार व प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पूरे राज्य की पूरी संस्कृति का संगम हो रहा है ।उसमें असम और पूर्वोत्तर राज्य भी उत्तर राज्यों से जुड़ रहे हैं,अपनी कला और संस्कृति के माध्यम सेघ जुड़ रहे हैं ।राम मंदिर पर दर्शन पूजन के बाद गवर्नर लक्ष्मण आचार्य ने कहा कि अयोध्या अद्भुत है अद्वितीय है अलौकिक है ।प्रभु राम का दरबार बहुत सुंदर है इसके लिए मैं राम मंदिर न्यास को प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बहुत बधाई देता हूं ।आज उन्हीं की तपस्या के चलते रामनगरी में अद्भुत अदिति और अलौकिक राम मंदिर बना है ।बताते चलें कि वे जवाहर लाल नेहरू नृत्य अकादमी के शुभारंभ के मौके पर अयोध्या पहुंचे हैं।

दिव्यांग कमलेश को मिला योजनाओं का सहारा

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) कलेक्ट्रेट कक्ष के जन सुनवाई कक्ष में आज हरपालपुर निवासी दिव्यांग कमलेश कुमार पाठक को सरकारी योजनाओं का बहुत बड़ा सम्बल मिला जो आँखों से देख नहीं सकते और लकड़ी के सहारे चलते हैं। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह से कलेक्ट्रेट में हुई उनकी मुलाकात उनके जीवन में एक नया बदलाव साबित हुई। कमलेश ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया कि उनके पास कोई घर नहीं है। बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन पर सोते हैं तथा मांग कर खाते हैं। जिलाधिकारी ने तत्काल उप जिलाधिकारी सवायजपुर व खण्ड विकास अधिकारी हरपालपुर से वर्चुअल

माध्यम से बात की। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिए कि मामले की जाँच की जाये तथा यदि कमलेश के पास कोई भूमि नहीं है तो उसे आवास पट्टा व कृषि पट्टा देने की कार्रवाई की जाये। पात्रतानुसार प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना से उनको लाभान्वित कराया जाये। उनको राशन कार्ड दिलवाया जाये। दिव्यांग कमलेश ने बताया कि उनको दिव्यांग पेंशन प्राप्त हो रही है। उन्होंने अपना दिव्यांग कार्ड दिखाया। जिलाधिकारी से मिलकर कमलेश इतना भावुक हो गए कि उनकी आँखों से खुशी के आँसू निकल आये।

भाजपा के पूर्व विधायक डा.हरेंद्र समेत दो के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे राजा संग्राम सिंह के नेवढ़िया कोट स्थित कीर्ति स्तंभ में तोड़फोड़ व शिलापट से ढकने के मामले में उनके पौत्र पूर्व जिला जज राजेंद्र सिंह ने पूर्व विधायक जफराबाद डॉक्टर हरेंद्र प्रसाद सिंह व ठेकेदार दिलीप तिवारी के खिलाफ कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। एसीजेएम एमपीएमएलए कोर्ट ने प्रथम दृष्टया मामला पाते हुए मुकदमा दर्ज करने का आदेश थानाध्यक्ष नेवढ़िया को दिया। एफआईआर दर्ज कर कॉपी तीन दिन में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश हुआ। पूर्व जिला जज व राजा संग्राम सिंह जन कल्याण संस्थान नेवढ़िया कोट के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने पूर्व विधायक जफराबाद डॉक्टर हरेंद्र प्रसाद सिंह व दिलीप तिवारी ठेकेदार के खिलाफ एसीजेएम एमपीएमएलए कोर्ट में धारा 156(3) के तहत प्रार्थना पत्र दिया कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी वीरवर राजा संग्राम सिंह की यादगार में नेवढ़िया कोट पर उनके स्मारक का निर्माण व लोगों के हितार्थ कल्याणकारी योजनाओं व अन्य योजनाओं के लिए ट्रस्ट बनाया गया। संग्राम सिंह के पुत्र वादी के पिता हरि मूर्ति सिंह सेवानिवृत आईएएस व पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति थे। हरि मूर्ति सिंह व शेष भाइयों ने व गांव दलपतपुर के कुछ मानिंद लोगों ने मिलकर ट्रस्ट का पंजीकरण 12 अप्रैल 1994 को कराया। नेवढ़िया कोट पर एक कीर्ति स्तंभ का निर्माण किया गया। राजा संग्राम सिंह जनकल्याण संस्थान ट्रस्ट जनपद समेत पूरे देश और प्रदेश में विख्यात रहा लोग लाभान्वित होते रहे। वर्तमान में वादी संस्थान का पदेन अध्यक्ष है ।ट्रस्ट सुचारू रूप से चल रही थी। 28 जनवरी 2022 को जब वादी ग्राम दलपतपुर, नेवढ़िया आया और कीर्ति स्तंभ देखने गया तो उसे पूर्व विधायक हरेंद्र प्रसाद सिंह व ठेकेदार दिलीप तिवारी ने बिना वादी की अनुमति के बेईमानी से, लाभ लेने के उद्देश्य से छल करके कीर्ति स्तंभ में तोड़फोड़ कर छेड़छाड़ किया था और कीर्ति स्तंभ के स्वरूप को परिवर्तित कर दिया था ।मूर्ति स्तंभ को ग्रेनाइट पत्थरों के शिलापट से ढक दिया था। मूल शिलालेख गायब करवा दिया। सरकारी संपत्ति का नुकसान किया। मुख्यमंत्री को गुमराह करके आरोपियों ने छलपूर्वक इस कार्य को अंजाम दिया गया। उच्च अधिकारियों को शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। पूर्व में वादी का प्रार्थना पत्र निरस्त होने पर जिला जज के समक्ष निगरानी दाखिल किया था। निगरानी में आदेश के बाद कोर्ट ने प्रथम दृष्टया गंभीर मामला पाते हुए थानाध्यक्ष को आदेश दिया कि आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तीन दिन में कापी न्यायालय में प्रस्तुत करें। साथ ही आदेश की एक कॉपी पुलिस अधीक्षक को भेजने का आदेश हुआ।

इस विषय पर सोमवार को दूरभाष पर बात करते हुए पूर्व विधायक डॉ हरेंद्र सिंह ने कहा कि इस मामले से मेरी कोई भूमिका नही है। गांव के लोगों ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी है। उनके याद में कुछ बनवा दीजिये। हमने प्रस्ताव बनाकर शासन को भेंज दिया। शासन ने यूपीपीसीएल टेंडर मिला वही काम करवाया है। बाकी मेरा कुछ लेना देना नही है।

बुंदेलखंड सांस्कृतिक एवं सामाजिक सहयोग परिषद कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। बुंदेलखंड सांस्कृतिक एवं सामाजिक सहयोग परिषद कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह मुख्य अतिथि अनुराज जैन IAS, विशिष्ट अतिथि बनारसी प्रसाद जी एवं शिव शंकर अवस्थी जी की गरिमामयी उपस्थिति में हिंदी संस्थान के निराला सभागार में सम्पन्न हुआ। जिसमे अध्यक्ष महेंद्र तिवारी, महासचिव कैलाश जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र भीष्म, उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्निहोत्री, डा के पी प्रजापति ,बृजेंद्र लिटोरिया, जितेंद्र तिवारी, अनीता जैन ,कोषाध्यक्ष गणेश शंकर गुप्ता, सांस्कृतिक सचिव अर्चना गुप्ता ,प्रचार सचिव आलोक जैन, लेखा परीक्षक रजनी विश्वकर्मा, सचिव योगेश चौहान, लखन द्विवेदी, सुधीर गुप्ता एवं दस सदस्य सदस्यों ने शपथ ली, इसके पश्चात श्री महेंद्र तिवारी अध्यक्ष जी की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की बैठक भी हुई जिसमें सदस्यों ने अपने विचार रखे एवं सभी सदस्यों ने एक दूसरे को बधाई दी एवं एकजुट होकर संस्था को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण समारोह में वरिष्ठ सदस्य एवं बुंदेलखंड संस्था के सदस्य मौजूद रहे।

डासना के महंत दीपक त्यागी के खिलाफ सपाई हुए आक्रामक, डीएम को सौंपा ज्ञापन

सुल्तानपुर। समाजवादी पार्टी यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष मोहम्मद शहजाद ने कार्यकर्ताओं के साथ डीएम कृतिका ज्योत्सना को दिया ज्ञापन ।राष्ट्रपति को प्रेषित ज्ञापन डीएम को सौंपा ।ज्ञापन के जरिए पैगम्बर मोहम्मद साहब के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कड़ी कार्रवाई की उठाई गई मांग। कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं को नियंत्रित करने पहुंचे नगर कोतवाल नारद मुनि सिंह और धनपतगंज कोतवाल राम आशीष उपाध्याय। अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देने में नाराजगी पर डीएम को दिलाया गया ज्ञापन ।ज्ञापन देने वालों में अब्दुल कयूम,अमरीश कांत,जरताब रजा,आबिद अली ,मोहम्मद सईद, अशोक सिंह विसेन, मोहम्मद सुल्तान, साकिब, अमजद खान, सुरेश कुमार, पवन यादव, सईद अहमद,राकेश पाल,राज मिश्रा आदि शामिल रहे।

मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

अयोध्या। शारदीय नवरात्र से तीन महीने तक चलाई जा रही महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरुक करने के लिए महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी ने सोमवार को मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं के साथ साथ अन्य लोगों को जागरूक किया ।इस मौके पर उन्होंने शहर के सहादतगंज स्थित एक स्कूल, रोडवेज सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर जाकर महिलाओं, छात्राओं, बालिकाओं,बस यात्रियों सहित अन्य लोगों को पंपलेट, पोस्टर सहित अन्य प्रमुख लोगों को सुरक्षा के प्रति जागरुक किया ।इस मौके पर उन्होंने महिला पुलिस टीम द्वारा महिलाओं बालिकाओं को पुलिस की पाठशाला लगाकर नारी सुरक्षा, नारी स्वाबलंबन एवं नारी सम्मान हेतु विशेष अभियान चलाकर प्रतिदिन जागरूक किया। इस संबंध में महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी ने बताया कि इस अभियान के तहत मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को आत्मरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा–112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन–मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन–102, एम्बुलेंस सेवा–108, महिला हेल्प लाईन–181, साइबर सुरक्षा हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। जो तीन महीने तक लगातार चलती रहेगी।

30 अक्टूबर तक निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा - सौम्या सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सावी हॉस्पिटल्स की स्थापना हमारे उस संकल्प का हिस्सा है, जिसमें हमने हर व्यक्ति को उच्चतम गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ कराने का लक्ष्य रखा है। अनुभवी चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के साथ, हम न केवल इलाज करेंगे, बल्कि रोगियों को एक सम्मानजनक और स्नेहपूर्ण वातावरण प्रदान करेंगे। हमारा प्रयास हमेशा आपके स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए रहेगा। उक्त विचार सौम्या सिंह (संस्थापक एवं निदेशक, सावी हॉस्पिटल्स) ने व्यक्त करते हुए कहा कि सावी हॉस्पिटल के भव्य शुभारंभ ने लखनऊ में स्वास्थ्य सेवाओं के एक नए युग की शुरुआत की है। चिनहट के मल्हौर स्टेशन रोड पर स्थित यह अत्याधुनिक मल्टी–स्पेशलिटी अस्पताल, क्षेत्र के लोगों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। मुख्य अतिथि ममता रावत जी और समाजसेवी गौतम रावत जी की गरिमामयी उपस्थिति के बीच हुए इस समारोह में, सौम्या सिंह और उनकी टीम ने जनता के लिए उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। यहां गाइनोकोलॉजी, डर्माटोलॉजी, फिजियोथेरेपी, जनरल सर्जरी, डेंटिस्ट्री, ऑर्थोपेडिक्स, आयुर्वेदिक पंचकर्म जैसी प्रमुख सेवाएं उपलब्ध हैं। 10 बेड की क्षमता वाले इस अस्पताल में आईसीयू,

एनआईसीयू, ओटी इमरजेंसी, 24/7 मेडिकल स्टोर और पैथोलॉजी की सुविधाएं भी शामिल हैं, जो इसे एक पूर्ण और सशक्त चिकित्सा केंद्र बनाती हैं। अस्पताल की ओनर सौम्या सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया कि 10 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जहां लोग अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का मुफ्त परीक्षण करवा सकेंगे। इसके साथ ही, फार्मेसी और पैथोलॉजी में विशेष छूट भी दी जाएगी। अस्पताल के अनुभवी चिकित्सकों की टीम, जिसमें डॉ. शाहीना, डॉ. योगेश, डॉ. पुरी, डॉ. राजेश, डॉ. अंजली, और डॉ. अतीत शामिल हैं, जो दिन–रात सेवा के लिए तत्पर रहेंगे, ताकि हर मरीज को सर्वोत्तम देखभाल मिल सके।

सावी हॉस्पिटल का यह नया अध्याय न केवल क्षेत्र के लोगों के लिए एक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का द्वार खोलेगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक नई मिसाल भी कायम करेगा।

अम्बा धाम बसरही में लगा भक्तों का रेला

सुजानगंज। शारदीय नवरात्रि में सभी मंदिरों में धूम मची हुई है ।वहीं सुजानगंज बदलापुर मार्ग पर स्थित सुजानगंज के माँ अम्बा धाम बसरही मन्दिर में हजारों भक्तों ने मत्था टेका। इस दौरान घण्टे–घड़ियालों की गूंज से वातावरण गूंज उठा, वहीं माता रानी के की जयघोष से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इसके पहले मंगलवार को सुबह अम्बा धाम में भक्तों की कतार लग गयी । इसके बाद भक्तों ने जय माता दी का जयकारा लगाते हुये दर्शन–पूजन किया और सुख–समृद्धि के लिये मंगलकामना किया और वही पर भक्तों ने नारियल, चुनरी, रोरी, रक्षा, कपूर, अगरबत्ती, धूपबत्ती आदि से पूजा किया। एक सप्ताह पहले से ही नवरात्रि के तैयारी में पूरी मन्दिर समिति बड़े ही उत्साह के साथ मन्दिर के सजावट में जुटे हुए थे। लोगों का कहना है कि यहां माथा टेकने से हर मनोकामना पूरा होता है। आस्था का केंद्र बन गया है अम्बा जी धाम बसरही यहां पर आसपास के सभी जनपदों से श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ परिवार से अपनी मनोकामना के साथ आते हैं और पूरी भी होती है. मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होते ही 19 अप्रैल सन 2000 में वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई और बड़े ही सौहार्दपूर्वक मंदिर की स्थापना हुई. वहीं पर मंदिर के पुजारी पंडित स्वयम प्रकाश पांडे व पवन दुबे ने बताया कि मंदिर परिसर में नवरात्रि के समय बहुत ही धूम मची रहती है तमाम श्रद्धालु अपनी सच्ची श्रद्धा के साथ आते हैं और उनकी मुरादें पूरी होती है सुबह शाम यहां पर श्रद्धालुओं का ताता लगा रहता है और बहुत सारे कलाकारों द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम भी चलता रहता है और समय–समय पर मंदिर परिसर का पाठ मुख्य द्वार बंद कर साफ सफाई का कार्य भी किया जाता है जिससे मंदिर में स्वच्छता बनी रहे और शासन प्रशासन द्वारा भी सहयोग प्राप्त रहता है जिससे प्रत्येक नवरात्रि में बहुत सारे भक्तगण आते हैं और उन्हें कोई समस्या नहीं होती क्षेत्री लोगों का भी सहयोग रहता है मंदिर के संस्थापक लाल बहादुर शर्मा एवं राम बहादुर शर्मा है वहीं पर मंदिर की देख रेख महेश शर्मा की अध्यक्षता मे चलती है।

एल0यू0 के 6 छात्रों का प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन, अधिकतम पैकेज 12 लाख रुपये वार्षिक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के बी.टेक के 6 छात्रों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ। प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स) के छात्र कार्तिकेय पांडेय का चयन ईडिक सॉल्यूशंस कंपनी में प्रोडक्ट एसोसिएट के पद पर 12 लाख रुपये वार्षिक वेतन पर हुआ हैद्य बी.टेक (मैकेनिकल) के छात्र अहद अली का चयन इंडिबे टेक्नोलॉजीस में बिजनेस डेवलपमेंट इंजीनियर के पद पर 5 लाख रुपये वार्षिक वेतन पर हुआ तथा बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स) के छात्र हिमांशु सोनी का चयन कोफोर्ज लिमिटेड कंपनी में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के रूप में 4.25 लाख रुपये के वार्षिक पैकेज पर हुआ।

बी.टेक (कंप्यूटर साइंस) के छात्र रितविक द्विवेदी का चयन फर्स्टवायर एप्स में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर 3.50 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर, इसके अतिरिक्त, बीसीए 2024 के छात्र अरनव सिंह का चयन बीटी ग्रुप में सर्विस रिक्वेस्ट कोऑर्डिनेटर के पद पर 3.50 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर हुआ साथ ही बी.टेक (मैकेनिकल) के छात्र अभिजीत सिंह का श्रीराम फाइनेंस कंपनी में मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में 3.18 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर चयन हुआ है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. ए.के. सिंह ने इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर चयनित छात्रों को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

शादी का झांसा देकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म

बलिया, संवाददाता। बलिया जिले के हल्दी थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर आरोपी उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता की मां ने करीब दो माह पहले थाने पर तहरीर दी, लेकिन पुलिस थाने में पंचायत व सुलह– समझौता कराने में लगी रही। मामला पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में आने के बाद शनिवार को इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया। शनिवार की देर शाम पुलिस अधीक्षक ने थाने पहुंचकर जरूरी दिशा निर्देश दिए। गाजीपुर जिला निवासी लड़की का ननिहाल हल्दी थाना क्षेत्र में है। काफी समय से 16 वर्षीय नाबालिग यहीं रह कर पढ़ती है। पास के गांव का एक लड़का अक्सर उसके घर जाता था। इसी बीच शादी का झांसा देकर दो माह पहले उसके साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं आरोपी ने अश्लील फोटो और वीडियो बना ली। वायरल करने का धमकी देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने लगा। लड़की की मां को घटना की जानकारी हुई तो उसने आरोपी के परिजनों को घटना से अवगत कराया। परिजनों ने गाली– गलौज व जान मारने की धमकी दी। पीड़िता की मां ने 13 अगस्त को हल्दी थाने में तहरीर दी। करीब दो माह से नाबालिग लड़की की मां थाने का चक्कर काटती रही, लेकिन पुलिस पंचायत करने में जुटी रही। मुकदमा दर्ज नहीं किया। अंततः पुलिस अधीक्षक के यहां मामला जाने के बाद शनिवार को पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। एसपी विक्रांतवीर ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

भगवान का अवतार धाम की रक्षा के लिए होता है – शिवम जी महाराज

रिपोर्ट जय प्रकाश तिवारी

सिकरारा, जौनपुर। शारदीय नवरात्रि महोत्सव के पावन पर्व पर राधा कृष्ण लोक कल्याण सेवा समिति के तत्वावधान में चल रही दिव्य श्री राम कथा ग्राम पंचायत अजोसी सिकरारा वहीं पर अयोध्या धाम से पधारे राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पूज्य शिवम जी महराज ने कहा कि भगवान का अवतार धर्म की रक्षा के लिए होता है,पति पत्नी में प्रेम और सामंजस्य श्री राम कथा सिखाती है इसलिए श्री रामकथा का आश्रय लेना चाहिए और उन्होंने भक्तो को दिव्य कथा का श्रवण पान करा के मंत्रमुग्ध कर दिया कथा के मध्य में भोजपुरी सिनेमा स्टार अभिनेता अरविंद अकेला उर्फ कल्लू का आगमन हुआ और अरविंद अकेला कल्लू ने सुंदर सुंदर भजनों की प्रस्तुति देकर मां के भक्तो को भाव विभोर कर दिया कार्यक्रम के आयोजक धर्मराज यादव एवं उनका पूरा मां के भक्ति में लीन है साथ ही साथ क्षेत्रीय लोगों ने भी कथा का रस पान किया।

जन औषधि केंद्र पर बिक रही थी नारकोटिक्स की दवाएं

गोरखपुर, संवाददाता। मोहद्दीपुर स्थित जन औषधि केंद्र से बिना किसी डॉक्टर के पर्चे के ही नारकोटिक्स श्रेणी की दवाएं बेचने की शिकायत पर शनिवार शाम को ड्रग इंस्पेक्टर राहुल कुमार ने छापा मारा। दवा विक्रेता नारकोटिक्स दवाओं की खरीद–बिक्री का कोई कागज नहीं दिखा सका। कार्रवाई के दौरान वहां शिकायतकर्ता भी मौजूद था। ड्रग इंस्पेक्टर ने दुकान में रखी 22 प्रकार की नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही चार दवाओं के नमूने भी जांच के लिए भेज दिए हैं। एक व्यक्ति ने जनसुनवाई पोर्टल पर मोहद्दीपुर स्थित जनऔषधि केंद्र को लेकर शिकायत की। शिकायतकर्ता का आरोप था है कि जन औषधि केंद्र से बगैर डॉक्टर के परामर्श के नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं की बिक्री हो रही है। शिकायतकर्ता के बहनोई ने भी यहां से बड़ी मात्रा में नारकोटिक्स की दवाएं खरीदी थीं। शनिवार शाम को जांच करने पहुंचे ड्रग इंस्पेक्टर ने शिकायतकर्ता को भी दुकान पर बुला लिया। शिकायतकर्ता अपने साथ जनऔषधि से केंद्र से खरीदी हुई दवाएं लेकर पहुंचा। दवा विक्रेता इन दवाओं की खरीद व बिक्री का कोई बिल–वाउचर नहीं दिखा सका। इसके बाद ड्रग इंस्पेक्टर ने सभी 22 प्रकार की दवाओं की बिक्री पर फौरन रोक लगा दिया। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि दुकान संचालक ने नारकोटिक्स दवाओं की खरीद से संबंधित बिल मांगे गए हैं, जिससे कि यह पता लगे कि ये दवाएं किस दुकान से बेची गई थीं।

रामगढ़ताल फायरिंग में शामिल तीन और आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर, संवाददाता। रामगढ़ताल क्षेत्र के वैशाली कॉलोनी में बांसगांव के विपिन कन्नौजिया पर फायरिंग की घटना में शामिल तीन और आरोपियों को रामगढ़ताल थाना पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर दोपहर बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। इस मामले में अब तक छह लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। सीसीटीवी कैमरा फुटेज व सर्विलांस की मदद से छानबीन में जुटी रामगढ़ताल थाना पुलिस ने शनिवार की सुबह सिंघड़िया में रहने वाले युवराज पांडेय को गिरफ्तार कर लिया। मूल रूप से वह देवरिया जिले के बरहज स्थित गौरा गांव का रहने वाला है। उसके विरुद्ध हत्या, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई पूर्व में हो चुकी है। पूछताछ के बाद उसके साथी सहजनवां के अमरजीत व सिंघड़िया में रहने वाले बड़हलगंज मुझौना के शिवम त्रिपाठी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि 30 सितंबर को जेएसआर गार्डेन में विकास कन्नौजिया के साथ हुई मारपीट की घटना में भी शिवम त्रिपाठी शामिल था।

बाढ़ का पानी हुआ कम, जलभराव के संक्रमण से बढ़ने लगा बीमारी का खतरा

कुशीनगर, संवाददाता। कुशीनगर के कुछ इलाकों में बाढ़ का पानी आ गया था। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। लोग अपना घर छोड़कर बंधे पर रहने के लिए मजबूर हो गए थे। जिले के खड्डा तहसील के नदी उस पर के गांव मरचहवा, शिवपुर,हरिहरपुर समेत 10 गांवो में 15 दिन पूर्व पहाड़ी इलाको में हुई बारिश के बाद बाढ़ आ गई थी। घर छोड़कर लोगो को बंधे पर शरण लेनी पड़ी थी। गांवों से पानी तो कम हो गया है, लेकिन अब लोगों में संक्रमण बीमारियां फैलने का डर बना हुआ है। इन गांवों के 40 से अधिक लोग बुखार से पीड़ित है। लोगों को रोहुआ नाला पर कर इलाज करवाने के लिए आना–जाना पड़ रहा है।

सीएम योगी की बैठक में दौड़ते हुए पहुंचे मंडलायुक्त और मेलाधिकारी

प्रयागराज, संवाददाता। रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज में थे। वह महाकुंभ के कार्यों की समीक्षा करने पहुंचे थे। हेलीपैड से उतरे के बाद सीएम संगम पर पूजन–अर्चन के लिए चले गए। उनके साथ सारे अधिकारी भी थे। इसके बाद आईट्रिपलसी सभागार में सीएम अधिकारियों के साथ बैठक के लिए रवाना हो गए। सीएम के काफिले में शामिल तमाम अधिकारियों की गाड़ियां रास्ते में जाम में फंस गईं।

पूविवि में 51 विषयों की होगी पीएचडी प्रवेश परीक्षा

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 51 विषयों में आयोजित होगी। परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया दशहरा के बाद शुरू होगी। इसके लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इस संबंध में सोमवार को बात करते हुए महेंद्र कुमार, कुलसचिव, पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने बताया कि शैक्षणिक विभाग आरडीसी ने (रिसर्च डिग्री कमेटी)रजिस्टर के आधार पर गाइड व रिक्त सीटों का आकलन प्रारंभ – कर दिया है। इससे यह सुनिश्चित किया – जाएगा कि किस विषय में कितनी सीटें उपलब्ध हैं और प्रत्येक गाइड के साथ कितने शोधार्थियों को निर्देशित किया जा सकता है। पीएचडी आवेदन प्रक्रिया शुरू करने के लिए समर्थ पोर्टल पर पीएचडी प्रवेश परीक्षा का फार्म डिजाइन हो रहा है।

महाकुंभ मेले में मांस–मदिरा पर रहेगा प्रतिबंध, साधु–संतों को भी दी नसीहत

प्रयागराज, संवाददाता। मुख्यमंत्री ने संतों से कहा कि यह आपका मेला है। महाकुंभ आयोजन तथा व्यवस्था को लेकर किसी तरह की नकारात्मक बात न कहें। संतों की भावनाओं का पूरा सम्मान होगा। संतों ने विगत दिनों अफसरों के व्यवहार, उपेक्षा को लेकर बयान जारी किए थे। इसी परिपेक्ष्य में मुख्यमंत्री ने यह बात कही। संतों की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ मेला क्षेत्र के आसपास मांस–मदिरा की बिक्री प्रतिबंधित रहेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ से जुड़ी परियोजनाओं को 10 दिसंबर तक हर हाल में पूरा करें। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योगी ने कहा कि महाकुंभ से जुड़े कार्यों का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कराया जाएगा। रविवार को प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ से जुड़े कार्यों की समीक्षा करने के बाद अखाड़ा परिषद और साधु–संतों के साथ बैठक की। इसके बाद आईट्रिपलसी में महाकुंभ के कार्यों और प्रगति की समीक्षा की। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ में वीआईपी श्रद्धालुओं को लिए ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण कराया जाएगा। ताकि आम श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो और उन्हें असुविधा का सामना न करना पड़े। तीर्थ यात्रियों के लिए 90 होल्डिंग एरिया बना जाएंगे। सीएम ने कहा कि महाकुंभ मेले में दस स्तर की सिक्योरिटी की व्यवस्था रहेगी। हर व्यक्ति पर नजर रखी जाएगी। इस बार मेले में तीन महिला थाने बनाए जाएंगे।

हर अखाड़े में तैनात होंगे नोडल अफसर

योगी ने कहा कि सनातन धर्म का गौरव बढ़ता है तो संतों का भी गौरव बढ़ेगा। समाज में संतों को लेकर अब धारणा बदल रही है। लोग साधु–संतों को सम्मान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा प्रयास होगा कि वह प्रत्येक 10 दिन में प्रयागराज आएं और यहां हो रहे कार्यों को देखें। कहा कि अब यहां शाम के समय ही आऊंगा और रात में भ्रमण करूंगा ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। उन्होंने साधु संतों को हर प्रकार की सुविधा और सुरक्षा का आश्वासन दिया। योगी ने कहा कि प्रत्येक अखाड़े के लिए एक–एक नोडल अफसर की तैनाती होगी। महाकुंभ मेले के दौरान प्रयागराज में मांस और मदिरा पर पूरी तरह से प्रतिबंधा रहेगा। उन्होंने कहा कि गुलामी के निशान हटने चाहिए। इसके लिए सरकार तेजी से प्रयास कर रही है। सीएम ने कहा कि यह पौराणिक मेला है। इसमें साधु–संत ही मुख्य हैं। इसलिए साधु–संतों की सलाह पर ही सारे कार्य किए जाएंगे। सीएम ने 2019 के कार्यों की सराहना की। कहा कि उस समय के अधिकारियों ने सारे कार्यक्रमों को काफी अच्छे तरीके से कराया।

समय सीमा और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि महाकुंभ की परियोजनाओं में समय सीमा और गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो जवाबदेही तय की जाएगी। सीएम ने कहा कि मेले में आने वाले एक–एक व्यक्ति का सत्यापन होना जरूरी है। सुरक्षा के लिहाज से इस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए। सीएम ने साधु संतों से भी कहा कि मीडिया से बातचीत करते समय किसी तरह की नकारात्मक टिप्पणी करने से बचें।

कुकर्म का आरोप लगाकर बुजुर्ग को बेरहमी की पीटा, वीडियो वायरल

गोरखपुर, संवाददाता। कैंपियरगंज के सोनौरा बुजुर्ग गांव में एक 55 वर्षीय अधेड़ को बंधक बनाकर बेरहमी से पिटाई कर दी गई। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। आरोप है कि पिटाई करने वालों में एक हिस्ट्रीशीटर भी है और उसने मुंह पर पेशाब भी कर दिया। पिटाई करने वाले पक्ष के एक किशोर ने कुकर्म का केस भी दर्ज कराया है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मूकबधिर किशोर से कुकर्म करते पकड़े जाने के बाद बुजुर्ग की पिटाई की गई है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के मुताबिक, सोनौरा बुजुर्ग गांव निवासी कम्मर सिंह पर गांव के ही एक किशोर की तहरीर पर केस दर्ज हुआ है। उसका कहना है कि उसे अकेला पाकर आरोपी कुकर्म किया। इस मामले में पॉक्सो एक्ट का केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। लेकिन, इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो गया है। इसमें कम्मर सिंह की बेरहमी से पिटाई करते हुए कुछ लोग नजर आ रहे हैं। कम्मर की पत्नी ने दी तहरीर में लिखा है कि जमीन के विवाद में आरोपियों ने पति को बंधक बनाकर पीटा है और वीडियो वायरल कर दिया है। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। एक अधेड़ पर कुकर्म करने का केस दर्ज किया गया है। मेडिकल रिपोर्ट अभी नहीं आई है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वायरल वीडियो में मारपीट करते लोग नजर आ रहे है, जो गैर कानूनी है। ऐसा करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तस्करी को जा रहे पांच पशुओं को पुलिस ने पकड़ा

देवरिया, संवाददाता। पिकअप से बिहार तस्करी को भेजी जा रही पांच पशुओं की खेप को शनिवार की रात पुलिस ने पकड़ लिया। हालांकि तस्कर पुलिस के पहुंचने के पहले ही तस्कर वाहन छोड़ फरार हो गए। बरामद पशुओं को गोशाला भेजने के बाद पुलिस ने अज्ञात पर कार्रवाई की है। बरियारपुर थाना क्षेत्र करौंदी पुलिस चौकी पशु तस्करों के लिए महफूज बनता जा रहा है। चौकी के उत्तर और दक्षिण दिशा में बिहार सीमा होने के चलते तस्करों को यह स्थान काफी मुफीद साबित हो रहा है। महुआपाटन घाट से दस किलोमीटर के दायरे में फैला यह क्षेत्र तस्करों की सुरक्षा के लिए कवच साबित हो रहा है। चर्चा है कि इस तस्करी की खेल में पुलिस की भी मिलीभगत शामिल है। हालांकि आये दिन पशुओं से भरी पिकअप और ट्रक यहां पकड़ी जाती है, लेकिन तस्कर हर बार पुलिस के आंख में धूल झोंक फरार हो जाते है। इसी क्रम में शनिवार की रात एक पिकअप में पांच पशुओं को लाद कर तस्कर बिहार जा रहे थे। तभी सड़क के किनारे गड्ढे में पिकअप का पहिया फंस गया। तस्कर काफी प्रयास किये, लेकिन फंसे वाहन को निकाल नहीं पाए। इसी दौरान ग्रामीणों को इसकी जानकारी हो गए। उनके शोर मचाने पर तस्कर गाड़ी और पशु छोड़ बिहार सीमा में भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पिकअप और पांच पशुओं को कब्जे में ले लिया।

शेयर मार्केट में मोटी कमाई का दिया लालच, फंसाए शिकार

गोरखपुर, संवाददाता। देश के कई प्रदेशों में व्यापार कर अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर जालसाजों ने एक करोड़ रुपये से अधिक की जालसाजी की है। गोरखनाथ, कुनराघाट और गोखपुर विश्वविद्यालय के एक सहायक शिक्षक जालसाजों के शिकार हुए हैं। पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, पहला मामला गोरखनाथ क्षेत्र का है। गोरखधाम इनक्लेव निवासी मनीष झुनझुनवाला ने केस दर्ज कराया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि जून 2024 में फेसबुक मैसेंजर एवं फेसबुक खाता पर कीर्ति शर्मा नाम की आईडी से एक दोस्ती का मैसेज आया। उसने अपने आपको कर्नाटक के मेंगलुरु कादरी के फ्लावर मार्केट का निवासी बताया। इसके 15 दिन बाद उसने व्हाट्सएप पर मैसेज भेजने के बाद कॉल किया। बातचीत के दौरान उसने कहा कि उसका एक लेडीज सैलून है। वह

ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का भी काम करती है। कहा कि ट्रेडिंग और व्यापार करना है तो फिर जुड़ सकते हैं। उसकी बातों में आकर कई बार में 84 लाख 18 हजार 625 रुपये लगा दिए। इसके बाद मेरे व्हाट्सएप ग्रुप को बंद कर दिया गया। दूसरा मामला कुनराघाट का है। यहां रहने वाले तमिलनाडु के जी उतरीय राज के साथ नौ लाख 56 हजार 252 रुपये की ठगी हुई है। साइबर थाने में तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। तहरीर देकर उन्होंने बताया कि 13 अगस्त को इंस्टाग्राम पर शेयर मार्केट का एक विज्ञापन दिखा था। उसपर जाने के बाद एक व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ लिया गया। फिर रुपये भेजने के लिए एक अकाउंट नंबर भेजा गया। बताया कि शेयर में रुपये लगाने पर तीन गुना फायदा होता है, जिसके चक्कर में फंसकर अपने रुपये गंवा दिए।

सहायक शिक्षक ने गंवाए रुपये

इसी तरह गोरखपुर विश्वविद्यालय में कार्यरत एक सहायक शिक्षक भी शेयर बाजार की ठगी में तीन लाख से अधिक रुपये गंवा दिए। वह शेयर में कभी–कभी रुपये लगाते थे। उनका कहना है कि उनके पास एक मैसेज आया, उसपर क्लिक करने पर वह एक ग्रुप से जुड़ गए। काफी दिनों तक उन्होंने उसका इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन फिर एक दिन अचानक उस एप पर बनाए गए शेयर पर रुपये लगा दिए और सभी डूब गए। पीड़ित ने कैंट थाने में शिकायत की।

दुर्गा प्रतिमा के साथ डीजे बजाने पर दूसरे समुदाय के मनबढ़ों ने की तोड़फोड़

गोरखपुर, संवाददाता। इलाके के करमहां बुजुर्ग गांव में शनिवार रात करीब 10 बजे दुर्गा प्रतिमा लेकर कुछ लोग एक धार्मिक स्थल के बगल से गुजर रहे थे। प्रतिमा के साथ डीजे को बजाने पर आपत्ति जताते हुए दूसरे समुदाय के युवकों ने साउंड सिस्टम का तार तोड़ दिया। विरोध करने पर साथ चल रहे चार– पांच लोगों के मोबाइल तोड़ दिए। मामले की जानकारी पाकर पुलिस पहुंच गई, जिसके बाद हंगामा करने वाले फरार हो गए। दुर्गा प्रतिमा के साथ चल रहे लोग आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करने लगे। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया और साथ जाकर दुर्गा प्रतिमा को स्थापित कराया। करमहां बुजुर्ग के लोगों द्वारा प्रतिवर्ष प्राथमिक विद्यालय के समीप दुर्गा प्रतिमा स्थापित की जाती है। जंगल डुमरी नंबर एक के तेतरिया टोले से दुर्गा की प्रतिमा लेकर गाजे–बाजे के साथ गांव जा रहे थे।

रास्ते में पड़ने वाले करमहां बुजुर्ग गांव के मस्जिद के पास अचानक दूसरे समुदाय के युवक ट्रॉली पर चढ़ गए। उपद्रवियों ने साउंड सिस्टम के तार तोड़ दिए और विरोध करने पर साथ चल रहे लोगों के मोबाइल में तोड़फोड़ करने के साथ ही मारपीट शुरू कर दी। कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन इसके पहले उपद्रवी फरार हो गए। एसपी सीटी अभिनव त्यागी ने बताया कि दुर्गा प्रतिमा स्थापित करा दी गई है। मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

जज के मां की चेन चोरी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर, संवाददाता। शहर की ऑटो में चोरी करने वाले गैंग के सदस्यों को शाहपुर पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि स्कॉर्पियो से शहर में आकर गिरोह की महिलाएं ऑटो में चेन चोरी करती हैं। सीसीटीवी कैमरा के फुटेज की मदद से शाहपुर थाना पुलिस ने गिरोह की महिला सदस्य व स्कॉर्पियों चालक को गिरफ्तार कर चार दिन पहले ऑटो में जज की मां के साथ हुई घटना का पर्दाफाश किया। गिरोह के सरगना व अन्य सदस्यों की तलाश में शाहपुर थाना पुलिस छापेमारी कर रही है। शाहपुर पुलिस ने गाड़ी नंबर के जरिए स्कॉर्पियो चालक बड़हलगंज के फरसाड़ गांव में रहने वाले बिट्टू वर्मा व घटना में शामिल साउखोर के सहडौली में रहने वाली गुड्डी देवी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की चेन बरामद की। गिरोह की अन्य महिला सदस्यों की तलाश चल रही है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि कुशीनगर के कसया में रहने वाले विवेक दुबे गोरखपुर में जज का प्रशिक्षण ले रहे हैं।

दुर्गा मंदिर से 25 लाख की चोरी, मुकुट सहित दान पात्र भी उखाड़ ले गए चोर

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी के चोलापुर क्षेत्र के गोसाईपुर चौकी अंतर्गत भैठौली गांव में प्राचीन दुर्गा मंदिर से चोरों ने लाखों के मुकुट और दान पत्र में चढ़ाए गए रुपये पार कर दिए। माता दुर्गा में नवरात्र के दिनों में दूर–दूर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। इस नवरात्र में मंदिर से चोरों ने सोने का एक मुकुट, सोने का हार, चांदी के तीन मुकुट, चांदी का एक छत्र, सोने की एक नथिया सहित पांच दानपात्र, जिसमें करीब दो लाख रुपये थे। चोर लगभग 25 लाख रुपये के आभूषण तथा दान पात्र में रखें नकदी लेकर फरार हो गए। सुबह जब पुजारी मंदिर की साफ–सफाई और पूजा करने पहुंचे तब अंदर का नजारा देख सन्न रह गए। देखते ही देखते यह जानकारी पूरे क्षेत्र में फैल गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ईश्वर दयाल दुबे और गोसाईपुर चौकी प्रभारी विकास कुमार मौर्य भी घटनास्थल पर पहुंच गए। इसके बाद मौके पर डॉग स्क्वायड सहिल फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसीपी सारनाथ डॉ. अतुल रंजन त्रिपाठी ने टीम के सा घटनास्थल का जायजा लिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।